दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 2 | अंक: 357 जयपुर, गुरुवार, 07 दिसंबर, 2023 | मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष- दशमी, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

धरना @ मानसरोवर फोटो: राजेश कुमावत

गोगामेड़ी हत्याकांड प्रदेश में उबाल... स्कूल, बाजार, परिवहन सेवाएं सब बंद, करीब 5500 करोड़ का व्यापार प्रभावित

राजस्थान ठप... सड़कें सूनी, कई जगह आगजनी

एनआईए को सौंपी जांच गोगामेड़ी की पत्नी के ऐलान पर धरना समाप्त... आज राजपूत सभा भवन में अंतिम दर्शन

■ डीएम की स्वीकृति के बाद दोनों शवों का पोस्टमार्टम

बेधड़क| जयपुर

श्री राजपूत करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेडी की हत्या के बाद प्रदेशभर में गुस्सा व्याप्त है। बुधवार को राजस्थान बंद का व्यापक असर देखने को मिला। स्कूल, परिवहन सेवाएं, बाजार आदि सबकुछ बंद रहा। एक अनुमान के मुताबिक बंद के दौरान प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रुप से प्रदेश में करीब साढ़े पांच हजार का कारोबार प्रभावित हुआ।

इस दौरान बुधवार को भी मेट्रो मास अस्पताल के बाहर सड़क पर धरना जारी रहा। शाम को धरना स्थल पर पहुंची गोगामेडी की पत्नी शीला शेखावत ने कहा कि जब तक आरोपियों को पकड़ कर उनके सामने नहीं लाया जाता, तब तक धरना जारी रहेगा। बाद में पोस्टमार्टम के पश्चात देर रात शीला शेखावत ने धरना खत्म करने का ऐलान कर दिया। इससे पूर्व उन्होंने श्याम नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई। जिसमें आरोप लगाया कि आपराधिक षड्यंत्र के तहत मेरे पति को सुरक्षा उपलब्ध नहीं कराई गई। उन्होंने निवर्तमान मुख्यमंत्री गहलोत और डीजीपी पर इसका आरोप लगाया।

इस दौरान डीजीपी उमेश मिश्रा ने मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की, जिसकी कमान एडीजी क्राइम दिनेश एनएम को दी और दोनों आरोपियों पर 5-5 लाख रुपए का इनाम घोषित किया। वहीं, मुल्जिमों के बारे में सूचना देने वालों को भी 5-5 लाख का इनाम देने की घोषणा की गई। उधर, केंद्र ने बुधवार रात मामले की जांच एनआईए को सौंपने की मंजूरी दी। समाज ने 10 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में श्रद्धांजलि सभा का ऐलान किया

@ सीकर रोड, फोटो पंकज शर्मा

राज्यपाल और मुख्य सचिव ने ली बैठक

राज्यपाल कलराज मिश्र ने बुधवार को पुलिस के आला अधिकारियों की एक बैठक लेकर शांति व्यवस्था कायम रखने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने भी एक अहम बैठक बुलाई। बैठक में डीजीपी उमेश मिश्रा, डीजी लॉ एंड ऑर्डर राजीव शर्मा, एडीजी इंटलीजेंस सेंगाथिर, पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ और गृह सचिव आनंद कुमार सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

ये मांगें सरकार के सामने रखी

आक्रोशित समाज ने 11 सूत्रीय मांग पत्र सरकार को दिया। इसमें सभी आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी, एनआईए जांच, ट्रायल फास्ट कोर्ट से कराने, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई, परिजनों को आर्थिक सहायता व सरकारी नौकरी देने, घटना में घायल अजीत सिंह के परिजनों को भी आर्थिक सहायता व सरकारी नौकरी देने, पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने व सभी मांगें 10 दिन में स्वीकृत किए जाने सहित कुल 11 सूत्रीय मांगपत्र सरकार के समक्ष रखी गई। रात में सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच आठ मांगों पर सहमति बनने की सूचना मिली, फिर कुछ ही देर बाद इसमें गतिरोध की बात कही गई।

नवीन को शूटर्स ने दिया था बड़ी डील का झांसा

सूत्रों ने बताया कि नवीन शेखावत को शूटर रोहित राठौड़ और नितिन फौजी ने डील में करोड़ों का मुनाफ दिलाने का झांसा दिया और नितिन की गोगामेड़ी से डील कराने के लिए तैयार कर लिया। हत्या की साजिश मार्च माह से चल रही थी। दोनों शूटरों को ऐसे व्यक्ति की तलाश थी, जो गोगामेड़ी का करीबी हो। नवीन पहले गोगामेड़ी का गार्ड था। ऐसे में शूटर्स ने नवीन से संपर्क किया। नवीन दोनों शूटरों की गोगामेड़ी से जमीन की डील कराने के लिए तैयार हो गया। नवीन मंगलवार को शूटर्स रोहित व नितिन को डील के लिए गोगामेड़ी के घर पर लेकर गया। आरोपियों व मृतक नवीन की इंटरनेट कॉलिंग होती थी। पुलिस ने नवीन के मोबाइल को जांच के लिए जब्त कर लिया है।

बंद के दौरान ठहर गया समूचा सूबा

राजस्थान बंद के आह्वान के तहत राज्य के शहरों के साथ गांव-कस्बों में भी दुकानें बंद रहीं। बंद का सबसे ज्यादा असर राजधानी जयपुर में दिखा। इस दौरान लोग आक्रोशित लोगों के जत्थे दुकानों को बंद कराते दिखे। हालांकि, कहीं से किसी गंभीर या बड़ी घटना की सूचना नहीं है। जयपुर में व्यापारिक संगठनों ने भी बंद को समर्थन दिया। जयपुर सहित प्रदेश के सभी छोटे बड़े शहरों में लो-फ्लोर बसों का संचालन भी बंद करवाया। बुधवार को सीकर, बीकानेर, जोधपुर, भरतपुर, अलवर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, करौली, धौलपुर, उदयपुर, टोंक, अजमेर सहित तमाम जिलों में बंद सफल रहा।

ये भी देखें...

विधानसभा पहुंचने वाले विधायकों में 85 प्रतिशत करोड़पति पेज-2

जयपुर बंद रहा सफल शहर किया जाम, न स्कूल खुले, ना बाजार पेज-3

प्रदेशभर में हत्यारों के खिलाफ दिखा गुस्सा, कई जगह प्रदर्शन पेज-4

एनटीटी सीधी भर्ती का परिणाम जारी, 75 अभ्यर्थी हुए चयनित पेज-5

कलाकार जयपुराइट्स को सुनाएंगे अपने चित्रों की कहानी पेज-9

भाजपा: तीन राज्यों के सीएम के नामों को लेकर मंथन हुआ तेज

पीएम आवास पर बुधवार को शाह ने मोदी से की लंबी मंत्रणा

राजे दिल्ली पहुंचीं, आज संसदीय दल की बैठक में फैसला संभव

बेधड़क| जयपुर

प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत मिलने के बाद सीएम चेहरे को लेकर मंथन जारी है। भाजपा संसदीय दल की बैठक गुरुवार को सुबह साढ़े नौ बजे बुलाई गई है। बैठक में पीएम मोदी सहित सभी सांसद शामिल होंगे। बैठक में तीन राज्यों के सीएम के नाम को लेकर मंथन होगा। उधर, गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पीएम से मौजूदा राजनैतिक हालातों पर लंबी मंत्रणा की।

इधर, जयपुर में पूर्व सीएम वसुंधरा राजे का शक्ति प्रदर्शन जारी रहा। बताते हैं बुधवार को राजे ने निर्दलीय विधायकों से भी बात की। राजे की बीजेपी आला नेताओं से भी दिल्ली बात हुई। उसमें उन्होंने कहा बताया कि वे पार्टी का हर आदेश मानेंगी। उन्हें आलाकमान ने दिल्ली पहुंचने को कहा। इस पर रात 10:30 बजे की फ्लाइट से दिल्ली पहुंचीं। हो सकता है गुरुवार को ही प्रदेश के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति हो जाए। विधायक दल की संभवतः रविवार को होने वाली बैठक में वन-टू-वन संवाद किया जाएगा।

नड्डा के साथ महामंत्रियों की बैठक

इस बीच, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को बीजेपी मुख्यालय में अलग-अलग प्रदेशों के महामंत्रियों के साथ बैठक की। इस बैठक में आगामी लोकसभा चुनावों की रणनीति पर काफी देर तक चर्चा की गई। वहीं, सीएम के नामों पर भी बात हुई।

राजे का विधायकों से मिलने का दौर जारी

प्रदेश में दो बार मुख्यमंत्री रह चुकीं राजे से बुधवार को तीसरे दिन भी विधायकों का मिलना जारी रहा। बताया जा रहा है कि राजे से पार्टी के करीब 60 प्रतिशत विधायकों ने मुलाकात की है। कुछ विधायकों ने राजे को ही मुख्यमंत्री बनाने की खुलकर पैरवी भी की है। माना जा रहा है कि 6 निर्दलीय (बागी) विधायकों में से भी चार उनके संपर्क में हैं।

कांग्रेस: प्रदेश के नेता बुलाए जाएंगे दिल्ली !

राजस्थान में हार को लेकर हाईकमान सख्त नाराज

बेधड़क| जयपुर

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में हार पर मिली रिपोर्ट के अवलोकन के बाद कांग्रेस आलाकमान सख्त नाराज है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि आलाकमान राजस्थान में हुई हार को लेकर प्रदेश के कांग्रेस नेताओं को दिल्ली तलब कर सकता है। इसमें राजस्थान में हुई हार के कारणों की समीक्षा की जा सकती है। चुनाव नतीजों के बाद छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल व अन्य नेताओं को शुक्रवार को दिल्ली बुलाया गया है। मध्यप्रदेश के भी नेताओं से हार के कारण की रिपोर्ट मांगी गई है। संभवतः समीक्षा के दौरान राजस्थान के नेताओं से स्पष्टीकरण लिया जा सकता है।

टिकट वितरण को लेकर नाराजगी

माना जा रहा है कि समीक्षा बैठक में टिकट वितरण को लेकर सवाल उठाए जा सकते हैं। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि जिन विधायकों के प्रति जनता की नाराजगी थी, फिर उन्हें टिकट क्यों दिया गया? चुनाव प्रचार में सभी नेताओं को आगे नहीं रखने पर भी सवाल उठाया जा सकता है।

गोगामेड़ी की हत्या के विरोध में आज MP बंद

इंदौर। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के विरोध में राजपूत संगठनों ने गुरुवार को मध्यप्रदेश 'बंद' का आह्वान किया है। करणी सेना के जीवन सिंह शेरपुर ने सोशल मीडिया मंच पर बुधवार को पोस्ट कर कहा, 'कल (गुरुवार) मध्यप्रदेश पूर्ण रूप से बंद रहेगा। सभी अपना सहयोग प्रदान करें।' संगठन के नेता अनुराग प्रताप सिंह राघव ने कहा कि गोगामेड़ी की हत्या को लेकर प्रदेशभर में राजपूतों में आक्रोश व्याप्त है और बंद को इस समुदाय के कई संगठनों का समर्थन हासिल है।

संविधान की पालना

राज्यवर्धन, दीया कुमारी, किरोड़ी मीणा विधायक रहेंगे... सांसदी छोड़ी

■ संविधान में है एक साथ दो सदनों की सदस्यता का प्रतिषेध संबंधी नियम

बेधड़क| जयपुर

संविधान के अनुच्छेद 101 के प्रावधान के अंतर्गत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव में जीते भाजपा के 10 सांसदों ने 14 दिन में एक सदन की सदस्यता छोड़ने के नियम के तहत संसद सदस्यता छोड़ दी है। बाकी भी शीघ्र छोड़ेंगे। इन सांसदों में राजस्थान के तीन सांसद राज्यवर्धन सिंह, दीया कुमारी और डॉ. किरोड़ी लाल मीणा शामिल हैं, चौथे बाबा बालकनाथ दिल्ली में नहीं थे, वे पहुंचते ही इस्तीफा देंगे। बीजेपी आलाकमान ने बुधवार को इन्हें सांसद की बजाय विधायक रखने का फैसला किया है। ऐसे ही छत्तीसगढ़ से जीतकर आईं रेणुका सिंह भी किसी मेडिकल इमरजेंसी की वजह से फिलहाल घर पर हैं, वे भी बाद में इस्तीफा दे सकती हैं।

बीजेपी ने 21 सांसदों को दिया था टिकट

बता दें कि बीजेपी ने तीन राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बहुमत हासिल किया, जबकि तेलंगाना में आठ सीटें जीती हैं। बीजेपी ने चार राज्यों में विधानसभा चुनाव में 21 सांसदों को टिकट दिया था। राजस्थान और मध्य प्रदेश में सात-सात सांसदों को चुनाव लड़ाया था। वहीं, छत्तीसगढ़ में चार और तेलंगाना में तीन सांसदों को विधानसभा में टिकट दिया था।

तीन राज्यों से इन्होंने दिया त्याग पत्र

अब बीजेपी हाईकमान ने विधानसभा चुनाव जीते हुए सांसदों से मुलाकात की और संसद सदस्यता छोड़ने का फैसला लिया। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ सभी सदस्य इस्तीफा देने के लिए स्पीकर से मिलने पहुंचे। राजस्थान से सांसदी से इस्तीफा देने वालों में राज्यवर्धन राठौड़, दीया कुमारी व किरोड़ी लाल मीणा (राज्यसभा सदस्य) शामिल हैं। वहीं, मध्य प्रदेश के ऐसे नेता हैं- नरेंद्र तोमर, प्रहलाद पटेल, राकेश सिंह, रीति पाठक और उदय प्रताप सिंह। इसी तरह छत्तीसगढ़ की गोमती साईं तथा अरुण साव ने स्पीकर को त्याग पत्र सौंपा।

क्या है नियम

विस चुनाव जीतने वाले सांसदों को अगले 14 दिन में विधानसभा व संसद सदस्यता में से एक चुनना होगा। अगर वे ऐसा नहीं करते तो उनकी सांसदी जा सकती है। संविधान विशेषज्ञ एवं लोस के पूर्व महासचिव आचारी कहते हैं, संविधान के अनुच्छेद 101 के तहत 1950 में राष्ट्रपति द्वारा जारी 'एक साथ दो सदनों की सदस्यता का प्रतिषेध संबंधी नियम' है, जिसके तहत यदि विस चुनाव में जीते सांसद ऐसा नहीं करते हैं, तो 14 दिन बाद वे सांसदी खो देंगे।

मोदी कैबिनेट में कम हो जाएंगे तीन मंत्री

इस्तीफा देने वालों में प्रहलाद पटेल और नरेंद्र तोमर केंद्रीय मंत्री हैं। वहीं, छत्तीसगढ़ से सांसद और केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह भी इस्तीफा देंगी। इस तरह, केंद्रीय कैबिनेट में तीन मंत्री कम हो जाएंगे। इसके अलावा, राजस्थान के सांसद बाबा बालकनाथ भी इस्तीफा देंगे। इस्तीफा देने वाले सांसदों की संख्या 12 बताई गई है।

जरूरी खबर

खातीपुरा से शुरू होगी श्रीगंगानगर स्पेशल रेल सेवा

बेधड़क, जयपुर। रेलवे की ओर से बिलवा स्थित राधास्वामी सत्संग में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए श्रीगंगानगर-खातीपुरा स्पेशल रेल सेवा का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रवक्ता के अनुसार गाड़ी संख्या 04721, श्रीगंगानगर-खातीपुरा रेलसेवा 20 दिसंबर बुधवार को एक ट्रिप श्रीगंगानगर से 19.30 बजे रवाना होकर 21 दिसंबर को 08.05 बजे खातीपुरा जयपुर पहुंचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 04722 रविवार 24 दिसंबर को खातीपुरा से 19.30 बजे रवाना होकर 25 को 07.45 बजे श्रीगंगानगर पहुंचेगी।

पंचायतों में रिक्त पदों पर उपचुनाव 10 जनवरी को

बेधड़क, जयपुर। राज्य निर्वाचन आयोग ने अधिसूचना जारी कर राज्य की पंचायतीराज संस्थाओं में 31 अगस्त तक विभिन्न कारणों से रिक्त हुए पदों पर उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं सचिव नारायण सिंह ने बताया कि प्रधान के 1, पंचायत समिति सदस्य के 7, सरपंच के 20 एवं पंच के 265 पदों पर उपचुनाव होंगे। इसके अलावा 24 उपसरपंचों के रिक्त पदों पर भी उपचुनाव कराए जाने हैं। 30 दिसम्बर को नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि होगी। 1 जनवरी को दोपहर 3 बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। इसी दिन चुनाव प्रतिकों का आवंटन होगा और सूची का प्रकाशन भी होगा।

निदेशालय के स्वागत कक्ष का होगा पुनर्गठन

बेधड़क, जयपुर। स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन की अध्यक्षता में बुधवार को बीकानेर में प्रारम्भिक एवं माध्यमिक शिक्षा निदेशालय की प्रगति की समीक्षा बैठक हुई। शासन सचिव जैन ने निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेशभर से निदेशालय में आने वाले प्रार्थियों को कोई परेशानी नहीं हो। इसको लेकर निदेशालय में स्वागत कक्ष का पुनर्गठन किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों के साथ विभिन्न विभागीय मुद्दों, राष्ट्रीय खेल आयोजन, सामान्य प्रशासन व अन्य बिन्दुओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि संवेदनशीलता के साथ प्रकरणों का निस्तारण किया जाए।

भाजपा के 101, कांग्रेस के 58 और 7 निर्दलीय विधायक मालदार, कइयों की औसत संपत्ति7.78 करोड़

विधानसभा पहुंचने वाले विधायकों में 85 प्रतिशत करोड़पति

श्रवण भाटी | बेधड़क

जयपुर। प्रदेश की 16वीं विधानसभा में पहुंचने वाले नव निर्वाचित सदस्यों में करोड़पति विधायकों की संख्या बढ़ गई है। प्रदेश के प्रत्याशियों की ओर से निर्वाचन विभाग में दिए गए शपथ पत्र के अनुसार कुल 199 में से 169 विधायक करोड़पति हैं जो करीब 85 प्रतिशत हैं।

गौरतलब हैं कि पिछली बार कुल 199 में से 158 करोड़पति विधायक थे, जो करीब 79 प्रतिशत था। ऐसे में इस बार करीब 6 प्रतिशत करोड़पति विधायक बढ़ गए हैं। करोड़पति विधायकों में सबसे ज्यादा भारतीय जनता पार्टी के 115 मे से 101, कांग्रेस के 69 में से 58, बसपा के 2 में से एक, भारतीय आदिवासी पार्टी के 3 मे से 1 और आरएलडी के 1, निर्दलीय में 8 में से 7 विधायक करोड़पति हैं।

यह सर्वे एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और राजस्थान इलेक्शन वॉच की ओर से किए विश्लेषण के आधार पर लिया गया हैं। वहीं इस बार विधायको की औसत संपत्ति में भी इजाफा हुआ हैं।

गौरतलब है कि इस बार विजेता विधायकों के औसत संपत्ति 7.78 करोड़ है। वहीं पिछली बार औसत संपत्ति 7.39 करोड़ थी।

सबसे अधिक और कम संपत्ति वाले विधायक

इस बार निर्वाचन विभाग को दिए शपथ में विजेता विधायकों में सबसे अधिक संपति भाजपा की बीकानेर पूर्व से विधायक सिद्धि कुमारी की हैं, जिनकी कुल संपति 102 करोड़ हैं। वहीं दूसरे नंबर पर कांग्रेस के विद्याधर सिंह के पास 70 करोड़, रामकेश के पास 63 करोड़ की संपत्ति हैं। वहीं सबसे कम संपत्ति वाले उम्मीदवारों में कांग्रेस के अभिमन्यु पूनियां के पास मात्र एक लाख 57 हजार की संपत्ति है। वहीं इसके बाद भाजपा की नौक्षम के पास 2 लाख 70 हजार और उसके बाद मनीष यादव के पास करीब 3 लाख 34 हजार रुपए की संपत्ति है।

फैक्ट फाइल

संपत्ति	विधायकों की संख्या	प्रतिशत
05 करोड़ से अधिक	78	39
02 करोड़ से 05 करोड़	57	29
50 लाख से 02 करोड़	50	25
10 लाख से 50 लाख	10	05
10 लाख से कम	04	02

भाजपा के विधायकों की औसत संपत्ति 7 करोड़

सर्वे के अनुसार मुख्य दलों में भाजपा के 115 विधायकों की औसत संपत्ति 7.09 करोड़, कांग्रेस की 69 की 8. 65 करोड़, बहुजन समाज पार्टी के 2 की 6.77 और आरएलडी के 3.89, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के 80.67 लाख हैं। वहीं भारत आदिवासी पार्टी के 3 विधायकों की 45.82 और निर्दलीय 8 विधायकों की 14.60 करोड़ औसत संपत्ति है।

गोगामेड़ी हत्याकांड: BJP नेताओं का कांग्रेस सरकार पर प्रहार

सामाजिक कार्यकर्ता की हत्या होना सरकार पर कलंक: राठौड़

बेधड़क | जयपुर

श्रीराष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या से राजस्थान के राजपूत समाज में काफी आक्रोश है। वहीं हत्याकांड को लेकर भाजपा ने कांग्रेस सरकार को निशाने पर लिया है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि यह हत्याकांड नहीं यह कांग्रेस सरकार के मुहं पर तमाचा है।

समाज के कार्यकर्ता की हत्या होना सरकार के माथे पर कलंक है। राठौड़ ने मांग उठाई कि इस हत्याकांड की जांच एनआईए से कराई जाए। इसको लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को भी पत्र लिखा। उन्होंने कहा कि इस गैंग ने आधा दर्जन से ज्यादा विधायकों को भी धमकी दे रखी है। राठौड़ ने कहा कि पीड़ित परिवार की जो मांग है, उसके तहत मुआवजा और नौकरी दी जाए।

राठौड़ ने कहा कि संपत नेहरा की अंतरराष्ट्रीय गैंग से दर्जनों बार धमकियां मिली और सुखदेव सिंह ने सुरक्षा की गुहार लगाई। बावजूद इसके उनको सुरक्षा नहीं मिली। हमलावरों ने ऐलानियां धमकी देकर उसको अंजाम दिया। राजस्थान में यह पहली घटना नहीं राजू ठेहट और जघीना हत्याकांड में भी ऐलानियां हत्याएं हुई हैं। पिछले 5 सालों में अनगिनत हत्याएं हुई हैं, जो सुनियोजित तरीके से गैंगस्टर ने की है। राजस्थान में पिछले 5 साल में रंगदारी वसूली का अनवरत सिलसिला जारी रहा। प्रदेश में पुलिस का इकबाल पूरी तरह खत्म हो गया है।

भाजपा नेताओं ने गोगामेडी को सुरक्षा नहीं देने पर उठाए सवाल

नए सीएम को नहीं लेने देंगे शपथ: मकराना

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के बाद करणी सेना के अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना भी धरना स्थल पर पहुंचे। जहां उन्होंने पुलिस प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक गोगामेड़ी के हत्यारों का एनकाउंटर नहीं होगा। तब तक हम राजस्थान में नए सीएम को शपथ नहीं लेने देंगे।

गहलोत सरकार में पहले भी हुई घटनाएं

हवामहल से विधायक बालमुकुंदाचार्य ने कहा कि गहलोत सरकार के 5 साल के कार्यकाल में पहले भी ऐसी घटनाएं हुई हैं। उन्होंने कहा कि गोगामेड़ी सर्व समाज के लिए हमेशा आगे रहते थे। गोसेवा के लिए भी सबसे आगे रहते थे। गोगामेड़ी ने सुरक्षा की मांग करते हुए कहा था कि मेरे को इस प्रकार की कोई दुर्घटना होने का भय है और मेरी सेवा को देखते हुए कुछ लोग मुझ पर हमला करने की साजिश कर रहे हैं।

कांग्रेस सरकार ने नहीं निभाई जिम्मेदारी

भाजपा विधायक दीया कुमारी ने गोगामेड़ी हत्याकांड को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि गोगामेड़ी ने कांग्रेस सरकार के समय में सिक्योरिटी मांगी थी, लेकिन सरकार ने उन्हें सिक्योरिटी नहीं दी। ये कांग्रेस सरकार की ही जिम्मेदारी थी, जो पूरी नहीं की गई। विधायक दिया ने कहा कि राजस्थान में गैंगवार होना आम हो गया है, जो कभी राजस्थान में किसी ने सुना ही नहीं था। कांग्रेस सरकार के इन 5 सालों में इस तरह की घटना आम बात हो गई। इस घटना के बाद कांग्रेस सरकार किस मुहं से विपक्ष में रह सकती है। दीया कुमारी ने कहा राजस्थान में अब बीजेपी की सरकार आ गई है। इन्हें न्याय जरूर मिलेगा। दीया ने सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या पर शोक भी जताया।

अपराधियों को जल्द पकड़ा जाए

प्रदेश में राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि यह बेहद निंदनीय घटना है और यह कांग्रेस सरकार के दौरान राजस्थान में कानून व्यवस्था के पतन का परिणाम है। हमारी मांग है कि पुलिस जल्द से जल्द अपराधियों को पकड़े।

राज्यपाल ने ली उच्चस्तरीय बैठक

कड़ी कार्रवाई के दिए निर्देश, आमजन से शांति में सहयोग की अपील

बेधड़क | जयपुर।

श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के बाद राज्यपाल कलराज मिश्र ने बुधवार को उच्च स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर कानून-व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान राज्यपाल ने अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही आम जन से शांति और सुरक्षा में सहयोग की अपील की।

राज्यपाल ने मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक और पुलिस आयुक्त, जयपुर को राजभवन बुलाकर प्रदेश की कानून एवं शांति-व्यवस्था की विशेष समीक्षा की। मिश्र ने कहा कि प्रदेश में शूटरों की ओर से दिनदहाड़े हत्या कर देना गंभीर मामला है। उन्होंने इस संगठित अपराध से उपजे हालात पर निरंतर निगरानी रखे जाने की हिदायत दी।

विशेष रूप से उन्होंने अपराधियों को पकड़े जाने के लिए पुख्ता कार्रवाई सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। वहीं राज्यपाल कलराज मिश्र ने आम जन से शांति और कानून-व्यवस्था में सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कानून एवं शांति व्यवस्था में सभी के सहयोग का आह्वान करते हुए कहा कि हालात पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। बैठक में मुख्य सचिव उषा शर्मा ने बताया कि प्रदेशभर में जिला कलेक्टर स्तर पर हालात की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है।

ईकोलॉजिकल जोन में अवैध निर्माण पर जेडीए की कार्रवाई

तीन अवैध कॉलोनियां की ध्वस्त

बेधड़क | जोधपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण ने जोन-10 में ईकोलॉजिकल जोन में निजी खातेदारी की करीब 11 बीघा कृषि भूमि पर तीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया है।

वहीं जोन पीआरएन-नोर्थ में मां करणी नगर बी के भूखण्ड संख्या-38 बी में व्यावसायिक प्रयोजनार्थ बनी अवैध बिल्डिंग को सील किया है। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन धर्मेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि जोन-पी.आर.एन.(नोर्थ) में स्थित मां करणी नगर बी महाराणा प्रताप रोड़ जयपुर के भूखंड संख्या 38बी में बिना भू-रूपान्तरण कराए आवासीय पट्टे के विपरीत जाकर व्यावसायिक

प्रयोजनार्थ दो मंजिला अवैध बिल्डिंग का निर्माण करने पर सीलिंग की कार्रवाई की गई। वहीं जोन-10 के ईकोलोजिकल जोन में स्थित गोनेर रोड़ करीब दो बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू-रूपान्तरण कराएं श्रीजी नगर के नाम से बसाई जा रही कॉलोनी को प्रवर्तन दस्ते ने जेसीबी मशीन और मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर दिया। गोनेर रोड आशाराम आश्रम के पीछे में करीब आठ बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर कार्रवाई की गई।

यहां जेडीए की बिना स्वीकृति-के और बिना भू-रूपान्तरण कराएं बाबू विहार के नाम से बनाई जा रही अवैध कॉलोनी को प्रवर्तन दस्ते ने जेसीबी मशीन और मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर दिया। वहीं इन्दिरा गांधी नगर के पास करीब एक बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के और बिना भू रूपान्तरण कराएं गोविन्द नगर चतुर्थ के नाम से अवैध कॉलोनी को भी ध्वस्त कर दिया।

जेवीवीएनएल की सहयोगी कंपनी में कार्यरत है आरोपी

17 हजार की घूस लेते हेल्पर-JEN को धरा

बेधड़क | जयपुर

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की जयपुर नगर इकाई ने बुधवार को बिजली कंपनी के हेल्पर बनवारी लाल पूनियां को 17 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

वह जेवीवीएनएल की सहभागी कंपनी विजन प्लस की फॉल्ट रैक्टिफिकेशन टीम में कार्यरत था। उसका कार्यक्षेत्र सहायक अभियंता कार्यालय, कालवाड़ है। ट्रैप कार्रवाई के दौरान बिजली कंपनी का कनिष्ठ अभियंता अनिल कुमावत मौके से फरार हो गया। उसे बाद में

गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के आवास और अन्य ठिकानों पर भी छापेमारी करके तलाशी ली गई। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी ने बताया कि एसीबी की जयपुर को परिवादी दी गई शिकायत में आरोप लगाया गया था विद्युत कनेक्शन लगाने की एवज में अनिल कुमावत कनिष्ठ अभियंता की ओर से 20 हजार रुपए रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। इस पर एसीबी जयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस डॉ. रवि के सुपरवीजन में एसीबी जयपुर नगर द्वितीय इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया गया। इसके बाद बुधवार को उप अधीक्षक पुलिस अभिषेक पारीक, पुलिस निरीक्षक भंवर सिंह द्वारा ट्रैप कार्रवाई करते हुए बनवारी लाल पूनियां निवासी पूनियों की ढाणी, सारंग का बास, कालवाड़ को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया।

वहीं जेईएन अनिल कुमावत एसीबी कार्रवाई की भनक लगने पर मौके से फरार हो गया। उसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। एसीबी के उप महानिरीक्षक पुलिस डॉ. रवि के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

फिर बरसे पूर्व ओएसडी लोकेश शर्मा... कहा-

मेरी बात पर इतना हंगामा क्यों बरपा, मैंने केवल वैभव का बयान दोहराया

चुनाव परिणाम के बाद शर्मा ने एक बार फिर उठाया लाल डायरी का मुद्दा

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा गहलोत पर लगातार आरोप लगा रहे हैं। बुधवार को एक बार फिर उन्होंने सीएम गहलोत को घेरते हुए लाल डायरी का जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि कथित लाल डायरी में जो बातें सीएम के

पुत्र वैभव गहलोत ने की है, वही बातें उन्होंने दोहराई हैं। फिर उनकी बात पर इतना हंगामा क्यों बरपाया जा रहा है। लोकेश शर्मा ने कहा कि जो बात मैंने चुनाव परिणाम आने के बाद रखी उसे अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत 'कथित लाल डायरी' के राजेंद्र गुढ़ा द्वारा चुनाव से पूर्व उजागर वायरल पत्रे के अनुसार पहले ही मान चुके हैं। उन्होंने कहा कि लाल डायरी में लिखा है कि पापा इसलिए वापस सरकार नहीं बना पाते हैं हर बार... इस बार भी मैं लिख कर दे सकता हूं सरकार बुरी तरह हारेगी। इसका कारण वे स्वयं हैं। अधिकारियों से ऐसे घिर जाते है, उन्हें राजनीतिक व्यक्ति बहुत बुरा लगने लग जाता है। लोकेश शर्मा ने कहा कि यही बात मैंने कही तो इतना हंगामा क्यों बरपा। मैंने कोई नई बात तो कही नहीं।

पिछले दिनों शर्मा ने दिया था यह बयान

विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद कांग्रेस की हार का जिक्र करते हुए लोकेश शर्मा ने हार का जिम्मेदार अशोक गहलोत को बताया था। उन्होंने अपने बयान में कहा था कि कांग्रेस निःसंदेह रिवाज बदल सकती थी, लेकिन अशोक गहलोत कभी कोई बदलाव नहीं चाहते थे। यह कांग्रेस की नहीं बल्कि अशोक गहलोत की शिकस्त है। गहलोत के चेहरे पर, उनको फ्री हैंड देकर, उनके नेतृत्व में पार्टी ने चुनाव लड़ा और उनके मुताबिक प्रत्येक सीट पर वे स्वयं चुनाव लड़ रहे थे। न उनका अनुभव चला, न जादू और हर बार की तरह कांग्रेस को उनकी योजनाओं के सहारे जीत नहीं मिली और न ही अथाह पिंक प्रचार काम आया।

गहलोत ने पार्टी को हाशिए पर ला दिया

लोकेश शर्मा ने बताया कि तीसरी बार लगातार सीएम रहते हुए गहलोत ने पार्टी को फिर हाशिये पर लाकर खड़ा कर दिया। आलाकमान के साथ फरेब, उपर सही फीडबैक न पहुंचने देना, किसी को विकल्प तक न बनने देना, अपरिपक्व और अपने फायदे के लिए जुड़े लोगों से घिरे रहकर आत्ममुग्धता में लगातार गलत निर्णय और आपाधापी में फैसले लिए जाते रहना, तमाम फीडबैक और सर्वे को दरकिनार कर अपनी मनमर्जी और अपने पसंदीदा प्रत्याशियों को उनकी स्पष्ट हार को देखते हुए भी टिकट दिलवाने की जिद ने पार्टी को हरा दिया। 25 सितंबर की घटना भी पूरी तरह से प्रायोजित थी, जब आलाकमान के खिलाफ विद्रोह कर अवमानना की गई। इसके बाद उन्होंने कहा था कि पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के फोन टेप किए जा रहे थे।

सुखदेव सिंह हत्याकांडः आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़कों पर समर्थक

जयपुर बंदः हर जगह आक्रोश-शहर किया जाम, न स्कूल खुले ना बाजार

दुकानें बंद कराने के दौरान कई जगह हुड़दंग, लाठियां लहराई, टायर जलाए, थड़ी-ठेले पलटे

बेधड़क | जयपुर

श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के विरोध में बुधवार को जयपुर बंद रहा। इस हत्याकाण्ड के विरोध में हुए बंद का समर्थन सर्व समाज और सभी व्यापार मण्डलों ने किया। इस दौरान अधिकतर बाजारों में दुकानें सुबह से ही बंद रही।

बंद के दौरान किसी भी उपद्रव को देखते हुए निजी स्कूलों में भी छुट्टी घोषित कर दी गई। समर्थक मानसरोवर स्थित मेट्रो मास हॉस्पिटल के सामने सड़क मार्ग पर दिनभर हंगामा करते रहे। सड़क मार्ग पर टायर डालकर आग लगा दी और आरोपियों की गिरफ्तारी व मुआवजे की मांग करते रहे। मौके पर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ समेत कमिश्नरेट के आला अधिकारी पहुंचे और मामले को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन गुस्साए लोग अपनी मांगों को लेकर धरना स्थल से नहीं हटे। इस प्रदर्शन के चलते अजमेर-हाईवे समेत अन्य इलाकों में शाम तक लंबा जाम रहा। वाहनों की लंगी कतारें लग गई। हंगामा और उपद्रव ज्यादा होने की आशंका से शहर के किसी भी इलाके में देर शाम तक बाजार में दुकानें और थड़ी ठेले नहीं खुले। वहीं, सार्वजनिक परिवहन के साधनों के भी बंद होने से लोग दिन भर अपने गंतव्य की जाने के लिए परेशान रहे। बंद के दौरान शहर में सार्वजनिक परिवहन के साधन भी बंद रहे। इस दौरान लो-फ्लोर बसें, मिनी बसें, टेम्पो आदि परिवहन के साधन सड़कों से नदारद दिखे। परिवहन के साधनों के नहीं चलने से आवागमन प्रभावित रहा। लोग दिन भर परेशान होते रहे।

फोटो: राजेश कुमावत/ पंकज शर्मा

रैली निकाली, कराए बाजार बंद

हत्या के विरोध में बुधवार सुबह से ही राजपूत समाज के लोग टोलियां बनाकर बाजारों में घूमते रहे। हालांकि बाजार स्वत: ही बंद थे, फिर भी कुछ दुकानों के खुलने पर उन्हें बंद करा दिया गया। एम आई रोड स्थित राजपूत सभा भवन पर काफी तादात में समाज के लोग एकत्र हो गए। यहां लोगों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और फिर रैली के रूप कर बाजार को बंद कराने के लिए निकल पड़े। रैली के साथ भारी मात्रा में पुलिसबल भी रहा। इस दौरान राजपूत समाज के लोग चांदपोल स्थित संजय सर्कल पर पहुंच गए और नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए।

भाजपा कार्यालय में हंगामा

विरोध प्रदर्शन कर रहे लोग दोपहर में भाजपा के प्रदेश मुख्यालय पर भी पहुंच गए। यहां लोगों ने जमकर हंगामा किया गया और बैरिकेड्स हटा दिए। दोपहर बाद गुस्साएं लोगों ने जगह-जगह जाम लगा दिया और सड़क मार्ग पर आगजनी की घटनाएं कर दी। 3 बजे तक मांगों को नहीं मानी और गिरफ्तारी नहीं हुई तो गुस्साएं लोग खिरणी फाटक पहुंच गए और पटरी पर बैठ गए। हालांकि, पुलिस व प्रशासन की काफी समझाइश के बाद लोग पटरी से हटे और शांत हुए।

ट्रेन रोकी, बसें नहीं चल सकी, आवागमन में लोगों को होना पड़ा परेशान

सुखदेव गोगामेड़ी के हत्या के बाद बुधवार को बंद के दौरान प्रदर्शनकारियों ने जयपुर-कनकपुरा के बीच जयपुर-उदयपुर इंटर सिटी को रोक दिया। ट्रेन को रोके जाने पर ट्रेन में बैठे महिलाएं, बच्चे सहम गए। हालांकि, प्रदर्शनकारियों ने यात्रियों को किसी भी तरह की हानि नहीं पहुंचाई। बाद में ट्रेन करीब 25 मिनट तक खड़े रहने के बाद करीब 4 बजे रवाना हुई। इसके साथ प्रदर्शन के चलते जयपुर-उदयपुर वंदे भारत ट्रेन को जयपुर जंक्शन पर ही रोक लिया गया। इस ट्रेन को शाम को 3:45 की 5:15 बजे रवाना किया गया। इससे ट्रेन उदयपुर 1 घंटें देरी से पहुंची। प्रदर्शन के चलते रोडवेज प्रशासन को राजधानी के सिंधीकैंप बस स्टैंड से सुबह 11 से 5 बजे तक बसों का संचालन रोकना पड़ा। यात्रियों को बस सुविधा नहीं मिलने पर बैरंग लौटना पड़ा। सिंधी कैंप से करीब 400 बसों का संचालन नहीं हो सका। देर शाम को थोड़ी-थोड़ी को रवाना कर भेजा गया। डर के चलते बसों में यात्रियों की संख्या कम ही रही। बंद से सिंधीकैंप रोडवेज प्रशासन को करीब 2 करोड़ का राजस्व का नुकसान झेलना पड़ा।

बंद रहे रेस्टोरेंट

शहर में रेस्टोरेंट और होटल भी बंद रहे। इससे ऑनलाइन डिलीवरी करने वाली कम्पनियों की सर्विस में भी बाधा रही। दूध डेयरी और किराना स्टोर भी बंद होने से लोगों को काफी समस्या का सामना करना पड़ा।

लगाया जाम

200 फीट एक्सप्रेस वे, मानसरोवर मेट्रो अस्पताल के सामने, सिरसी रोड, कलेक्टी सर्कल, खातीपुरा, सीकर रोड, आगरा रोड, शास्त्री नगर, प्रताप नगर, वैशाली नगर, चौमूं पुलिया सहित कई अन्य जगहों पर जाम लगने से दिनभर लोग परेशान होते रहे।

गोगामेड़ी को शहीद का दर्जा देने की मांग

ब्रह्म शक्ति संघ ने सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को शहीद को दर्जा देने की मांग की है। संयोजक सुनील मुदगल ने कहा कि ब्रह्म शक्ति ने सरकार से मांग की है कि स्वर्गीय सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को शहीद का दर्जा दिया जाए। संघ ने चेताया कि यदि इस मांग को नहीं माना गया तो वह उग्र प्रदर्शन करेंगे और सेंटर गवर्नमेंट तक जाएंगे। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल द्विवेदी ने कहा कि भविष्य में किसी भी सामाजिक संगठन के पदाधिकारी को कोई धमकी मिलती है या उसे जान माल का खतरा होता है तो सरकार प्रथम दृष्टि में उसे सुरक्षा प्रदान करे, ताकि भविष्य में सुखदेव सिंह हत्याकाण्ड जैसी घटनाओं की पुर्नवृत्ति ना हो।

वकीलों ने टायर जलाकर जताया विरोध

गोगामेड़ी हत्याकाण्ड के विरोध में कलेक्टी सर्कल पर वकीलों ने भी रास्ता रोक कर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने सड़क पर टायर जलाकर प्रदर्शन किया। इससे एकबारगी मार्ग पर आवगमन रोक दिया गया। करीब आधा घण्टे प्रदर्शन के बाद माहौल शांत हुआ।

जरूरी खबर

अजमेर को मिलेगी 2 नए प्रोजेक्ट्स की सौगात

अजमेर। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत शहरवासियों को दो नए प्रोजेक्ट्स की सौगात मिलने जा रही है। संभाग के सबसे बड़े जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में बन रहे पीडियाट्रिक ब्लॉक और मोइनिया इस्लामिया स्कूल में बन रही अंडरग्राउंड पार्किंग जनवरी 2024 में बनकर तैयार हो जाएगी। बुधवार को अजमेर स्मार्ट सिटी के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं नगर निगम आयुक्त सुशील कुमार ने विभिन्न प्रोजेक्ट्स का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

दुकान में घुसकर लाठी और सरियों से की मारपीट

सीकर। जिले के रामगढ़ सेठान थाना क्षेत्र में एक दुकानदार से लाठी-सरिये से मारपीट का मामला सामने आया है। बदमाशों ने उसे लाठी और सरियों से बेरहमी से पीटा। इसके बाद दुकानदार को मरा हुआ समझकर बदमाश भाग गए। आथूणा मोहल्ला, रामगढ़ सेठान के रहने वाले 32 साल के रब्बानी ने बताया कि वह रात को करीब 10 बजे अपनी दुकान पर बैठा था। इस दौरान 5-7 बदमाश आए और आते ही लाठी व लोहे के सरियों से मारपीट करना शुरू कर दी। बदमाश शिकायतकर्ता को मरा हुआ समझकर मौके से भाग गए। मामले की जांच एएसआई रामेश्वर लाल कर रहे हैं। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

दादा के पीछे गई मासूम तीन दिन रही जंगल में

उदयपुर। झाड़ोल थाना क्षेत्र के राजपुरा में तीन दिन पहले लापता हुई ढाई साल की मासूम बच्ची बुधवार को जंगल में बेसुध हालत मिली। पुलिस और वन विभाग की टीम ने जंगल में बच्ची की तलाश करते हुए उसे रेस्क्यू किया। बच्ची मिलने की खुशी में परिजन सहित ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन को धन्यवाद करते हुए जिंदाबाद के नारे लगाए। बताया जा रहा है कि बच्ची के दादा रोज बकरियां चराने जंगल में जाते हैं ऐसे में यह बच्ची भी उनके पीछे-पीछे निकल गई। आगे जाकर बच्ची रास्ता भटक गई। बच्ची के लापता होने के बाद परिजन परेशान होते रहे। बाद में पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई।

जयपुर में हुए गोगामेड़ी हत्याकांड के विरोध में सड़कों पर उतरा राजपूत समाज, बंद रहा सफल

प्रदेशभर में हत्यारों के खिलाफ दिखा गुस्सा, कई जगह प्रदर्शन

श्रीराष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के विरोध में बुधवार को सर्व समाज के आह्वान पर राजस्थान बंद रहा। इस दौरान जगह-जगह विरोध प्रदर्शन व हंगामे हुए। भरतपुर, उदयपुर, जोधपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर, कोटा, बारां, झालावाड़, पाली सहित पूरे प्रदेश में समाजबंधुओं का गुस्सा उबाल पर दिखाई दिया। बंद के दौरान सुबह से ही राजपूत समाज के युवाओं की टोलियां बाजारों में निकल पड़ी। कहीं टायर जलाकर तो कहीं रोड जाम कर विरोध प्रदर्शन किया गया। पेश है बंद के दौरान प्रदेश के कई जिलों के हालात पर एक रिपोर्ट।

अजमेर: बस स्टैंड पर खुली दुकानों को बंद कराया

श्रीकरणी सेना के आह्वान पर जिले में बाजार पूरी तरह से बंद रहे। सुबह करणी सेना के जिलाध्यक्ष यज्ञप्रताप सिंह के नेतृत्व में करणी सेना के कार्यकर्ता सड़कों पर लाठी-डंडों के साथ निकले। व्यापारियों से बाजार को बंद रखने की अपील की। साथ ही खुले बाजार बंद कराए। इसके बाद करणी सेना के कार्यकर्ता रोडवेज बस स्टैंड पहुंचे और बस स्टैंड पर दुकानें खुली देख उन्हें बंद कराया। बाजारों को बंद करवाने के दौरान जिला पुलिस का जाब्ता भी मौके पर रहा। जिलाध्यक्ष ने कहा कि घटना की समाज निंदा करता है और इससे रोष है। पुलिस व प्रशासन से आरोपियों को गिरफ्तार कर कार्रवाई की मांग है। उधर कुन्दननगर स्थित राजपूत छात्रावास हॉस्टल परिसर में स्थित समाज के मंदिर में बैठक हुई। इसमें समाज के लोगों ने घटना की निन्दा की।

जोधपुर: रेलवे पटरियों पर उतरे, टायर जलाकर प्रदर्शन

गोगामेड़ी हत्याकांड को लेकर लोगों आक्रोश नजर आ रहा है। बुधवार सुबह से पूरे शहर में करणी सेना के कार्यकर्ताओं व राजपूत समाज के लोग सड़कों पर उतर गए हैं। सबसे पहले सभी लोग शहर के जालोरी गेट पर पहुंचे। वहां से रैली के रूप में पूरे शहर में घूमते हुए दुकानों को बंद करवाया, हालांकि शहर में ज्यादातर व्यापारियों ने इस माहौल को देखते हुए अपनी दुकानों को खोला ही नहीं। इधर, सुखदेव की हत्या को लेकर उनके समर्थकों व राजपूत समाज के आक्रोश को देखते हुए पुलिस को हर समय अलर्ट करने के आदेश दिए गए है। वहीं पुलिस को सबसे ज्यादा क्षेत्र में सोशल मीडिया पर निगरानी रखने के लिए कहा गया है। राजस्थान लॉ ऑर्डर आईजी गौरव श्रीवास्तव ने जोधपुर रेंज व सभी एसपी को पत्र भेजा है जिसमें सुखदेव सिंह के हत्यारों के गिरफ्तारी की मांग को लेकर हिंसक रूप अपनाने से कानून व्यवस्था बिगड़ने की संभावना जताई है। उन्होंने जिले की सीमाओं पर हथियार बंद जाप्ता तैनात करने व रिजर्व पुलिस को हर समय तैयार रखने के आदेश दिए है।

दौसा: बंद को सर्व समाज का समर्थन

जिले के लालसोट, सिकराय, महुवा, बांदीकुई और दौसा में सर्व समाज के लोगों ने कस्बे के बाजारों को बंद कर बंद का समर्थन किया। साथ ही आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की गई। इस दौरान पूरे दौसा जिले में दर्जनों जगह सर्व समाज के लोगों ने प्रशासन के खिलाफ भी नारेबाजी की। जगह-जगह लोगों ने टायर जलाकर अपना विरोध जताया। इस दौरान अन्तरराष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ भारत के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष चतुर्वेदी ने कहा कि जब जेएनयू में ब्राह्मणों के भारत छोड़ने के नारे लगे थे, तब सुखदेव सिंह गोगामेड़ी ने ही नारे लगाने वालों को खुली चेतावनी दी थी। आज पुलिस की अव्यवस्थाओं के कारण सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या हुई है। उधर सिकराय उपखंड में सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्या के विरोध में सभी प्राइवेट स्कूलों को बंद रखा गया।

धौलपुर: जाशीले नारों में दिखा उबाल

जिले के सैपऊ कस्बे में बाजार बंद रहे और प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाकर पुलिस और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आक्रोशित युवाओं का गुस्सा नारों में बखूबी झलक रहा था। करीब दो घंटे तक चले इस प्रदर्शन को देख पुलिस व प्रशासन के हाथ पांव फूल गए। वहीं, राजपूत समाज के पदाधिकारी संजीव परमार ने सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या को समाज के लिए बड़ी क्षति करार दिया। उन्होंने आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग उठाई।

उदयपुर: जुलूस में उमड़ा 'आक्रोश' का सैलाब

गोगामेडी हत्याकांड को लेकर उदयपुर में भारी विरोध-प्रदर्शन दिखाई दिया। सेवाश्रम चौराहे पर बड़ी संख्या में राजपूत समाज सहित विभिन्न समाज के लोग एकत्रित हुए। इसके बाद जुलूस के रूप में कलेक्ट्री पहुंचे। करीब 4 घंटे तक यहां जोरदार प्रदर्शन हुआ। इस दौरान भीड़ में से कलेक्ट्री के अंदर पत्थर फेंके गए। इसके बाद पुलिस एक्टिव हुई।

जैसलमेर: सड़कों पर बवाल

सर्व समाज के आह्वान पर जैसलमेर शहर के सभी बाजार आज बंद रहे। वहीं बंद व प्रदर्शन को देखते हुए भारी संख्या में विभिन्न स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई। इस दौरान राजपूत समाज सहित सर्व समाज के लोगों ने हनुमान चौराहे, गडीसर चौराहे तथा किशन सिंह भाटी चौराहे पर एकत्रित होकर हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर टायर जलाकर प्रदर्शन किया। इसके बाद जिला कलेक्टर के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। करणी सेना के प्रदेशाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि जब तक ज्ञापन में की गई हमारी मांगें नहीं मानी जाएगी, तब तक आदोंलन जारी रहेगा।

पोकरण: सर्व समाज का साथ

पोकरण में सर्व समाज के लोगों ने बाजार बंद रखा। इसके साथ ही यहां जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया। जयपुर सेवा समिति के अध्यक्ष बलवंतसिंह जोधा के नेतृत्व में पालिकाध्यक्ष मनीष पुरोहित, पूर्व विधायक सांगसिंह भाटी, शिक्षाविद् गुलाबसिंह गड़ी, मंजूर दीन, आसुसिह तंवर, बाबूलाल, राजुराम, राजेश व्यास व अन्य लोग विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए।

बीकानेर: सुबह से ही नहीं खुली दुकानें

जिले में करणी सेना की ओर से किए गए बंद के आह्वान का व्यापक असर देखने को मिला। यहां सुबह से ही बाजार बंद रहे। लोगों ने स्वेच्छा से दुकानें बंद रखी। इसके चलते दिनभर बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा। वहीं सड़कों पर भी लोग जरूरी काम होने पर ही बाहर निकले। वहीं राजपूत समाज के लोगों ने जगह-जगह विरोध प्रदर्शन कर हत्याकांड के विरोध में आक्रोश जताया। समाजबंधुओं ने आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के साथ ही कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की।

भरतपुर: रैली निकालकर कराया बाजार बंद

जिले में भी गोगामेड़ी की हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर राजपूत समाज के लोगों ने रैली निकालते हुए विरोध प्रदर्शन किया और बाजार बंद कराए। समाज के लोगों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा, जिसमें गोगामेड़ी के परिजनों को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। भरतपुर शहर में राजपूत समाज के लोगों ने बाजार को बंद कराते हुए कुम्हेर गेट और बिजली घर चौराहे पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। लोगों ने शहर के मुख्य बाजार में रैली निकाली।

बारां में सर्व हिंदू समाज ने किया प्रदर्शन

बारां में भी बंद का असर देखने को मिला. यहां सुबह 8 बजे प्रताप चौक पर सर्व समाज के लोग एकत्रित हो गए। इसके बाद समर्थकों ने टायर जलाकर विरोध प्रर्दशन किया और हत्यारों को फांसी की सजा देने की मांग की। वहीं, सर्व हिंदू समाज की ओर से प्रताप चौक पर मानव श्रृंखला बनाकर नारेबाजी भी की गई। मौके पर मौजूद रहे हिन्दू अखाड़ा समिति के अध्यक्ष मुकेश शर्मा ने कहा, जिस प्रकार सर्व हिंदू समाज के चहेते सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की घर में घुसकर हत्या की गई है, वो राज्य में व्याप्त कुशासन को दर्शाता है। इस घटना की जितनी भी निंदा की जाए कम है। साथ ही हम सरकार से ऐसे अपराधियों को फांसी सजा देने की मांग करते हैं।

बूंदी में सड़क पर टायर जलाकर प्रदर्शन करते लोग।

पोलो सीजन-24 की हुई शुरुआत, पहले दिन के मैच में...

बालसमंद ने मेयो कॉलेज को हराया

बेधड़क | जोधपुर

जिले में शाही खेल पोलो सीजन-24 का शुभारंभ बुधवार को महाराजा गजसिंह स्पोर्ट्स फाउंडेशन पोलो मैदान पर हुआ। इसमें पहले दिन उम्मेद भवन पैलेस कप चार गोल टूर्नामेंट हुआ।

सीजन के शुभारंभ के अवसर पर चीफ गेस्ट रिटायर्ड मेजर जनरल नरपत सिंह राजपुरोहित थे। गेस्ट मदन सिंह रावटी, राजेन्द्र सिंह व कर्नल गिरेन्द्र सिंह दाखा और डॉ. महेन्द्र सिंह राठौड़ मौजूद रहे। मेयो कॉलेज के इंस्ट्रक्टर लेफ्टिनेंट जीएस राठौड़ भी मौजूद थे। गुरुवार 7 दिसम्बर को ढाई बजे उम्मेद भवन पैलेस वर्सेज मेहरानगढ, बालसमंद वर्सेज इंडियन नेवी के बीच मैच होगा। पहला मैच मेयो कॉलेज और बालसमंद के बीच हुआ।

बालसमंद की टीम ने 6 गोल से जीता। मेयो कॉलेज ने 4 गोल किए। मेयो कॉलेज की टीम में भंवर शिवांश सिंह शक्तावत, भंवर हर्षवर्धन सिंह सोढा व लांस वाट्सन थे। वहीं बालसमंद की टीम में शिवपाल सिंह, पेप सिंह व विश्वराज सिंह भाटी मैदान में उतरे।

जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के तत्वावधान में 30 दिसंबर तक महाराजा गजसिंह स्पोर्ट्स फाउंडेशन पोलो मैदान, एयरफोर्स रोड, पाबूपुरा पर मैच आयोजित होगा।

सर्दी ने दिखाए तेवर: कई शहरों में पारा 2 से 3 डिग्री गिरा

माउंट आबू में पारा माइनस @1 डिग्री

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में सर्दी ने अपने तेवर दिखाने शुरु कर दिए है। बुधवार को प्रदेश के कई शहरों के न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है।

सर्दी का सबसे ज्यादा असर माउंट आबू में देखने को मिला। यहां सुबह न्यूनतम तापमान माइनस -1 डिग्री दर्ज हुआ, जो इस सीजन का सबसे कम तापमान रहा। यहां पेड़ की पत्तियों, घास के मैदान और फूलों पर बर्फ जम गई। गाड़ियों की छत, कांच पर ओस की बूंदें जमकर बर्फ में तब्दील हो गई। माउंट आबू में तापमान -1 डिग्री दर्ज किया गया है। राजधानी जयपुर की बात करें तो यहां सर्दी ने अपना असर दिखाना शुरु कर दिया है। जयपुर में न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। जयपुर समेत तमाम शहरों में मौसम बिल्कुल साफ रहा। सुबह से तेज धूप निकलने से लोगों को सर्दी से राहत मिली। इससे पूर्व जयपुर में मंगलवार को दिन का अधिकतम तापमान 24.5 डिग्री सेल्सियस रहा, न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री रहा था। सीकर के फतेहपुर में भी बुधवार को सीजन में पहली बार पारा 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ।

सरहदी इलाके जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर में भी मंगलवार रात तेज सर्दी रही। यहां तापमान में एक डिग्री सेल्सियस का उतार-चढ़ाव रहा।

चूरू में न्यूनतम तापमान करीब 2 डिग्री सेल्सियस गिरकर 7.4 पर आ गया। गंगानगर और बीकानेर में 10.8 और जैसलमेर में 11.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ।

प्रदेश के प्रमुख शहरों में ये रहा न्यूनतम तापमान

शहर	न्यूनतम
अजमेर	13.2 डिग्री
बाड़मेर	11.6 डिग्री
बीकानेर	10.8 डिग्री
चूरू	7.4 डिग्री
जयपुर	12.8 डिग्री
जैसलमेर	11.4 डिग्री
जोधपुर	14.2 डिग्री
कोटा	15.5 डिग्री
गंगानगर	10.8 डिग्री
उदयपुर	13 डिग्री

अंतरराष्ट्रीय ऊंट महोत्सव 11 जनवरी से

इस पर 'आइकंस ऑफ बीकानेर' रहेगी थीम, करतबों से लुभाएंगे ऊंट

बेधड़क | बीकानेर

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बीकानेर की खास पहचान बना इंटरनेशनल कैमल फेस्टिवल 11 से 14 जनवरी तक होगा।

इस बार का आयोजन 'आइकंस ऑफ बीकानेर' की थीम पर आयोजित होगा। जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में इस संबंध में आयोजित बैठक में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि आगामी अंतराष्ट्रीय ऊंट उत्सव आइकंस ऑफ बीकानेर की थीम पर आयोजित किया जाएगा। इसमें स्थानीय कला, संगीत और संस्कृति में विशेष उपलब्धियां हासिल करने वाले कलाकारों को इस उत्सव के माध्यम से एक वैश्विक मंच उपलब्ध करवाया जाएगा। कलेक्टर ने बताया कि ऊंट उत्सव में 11 जनवरी को क्लासिकल फॉर्म्स ऑफ आर्ट्स के संबंध में विशेष आयोजन किया जाएगा। इस दौरान शास्त्रीय संगीत व शास्त्रीय नृत्य से जुड़े कलाकारों द्वारा विशेष प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

उत्सव के दौरान 12 जनवरी को धरणीधर स्टेडियम में कला व संस्कृति का फ्यूजन शो का आयोजन किया जाएगा। जिसमें स्थानीय लोक कला संस्कृति के रंगों के साथ-साथ कंटेंपरेरी आर्ट भी जोड़कर आयोजित होगा। स्थानीय व्यंजन भी इस शो के आकर्षण रहेंगे।

सेलिब्रिटी नाइट, घुड़दौड़ रहेंगे आकर्षण

सहायक निदेशक पर्यटन कृष्ण कुमार ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव के दौरान रायसर में सेलिब्रिटी नाइट आयोजित की जाएगी। इसमें अग्नि नृत्य के साथ-साथ एक विशेष सेलिब्रिटी को प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रायसर के धोरों में घुड़दौड़ और घोड़ों के नृत्य भी इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव में आकर्षण के विशेष केंद्र होंगे। कैमल फार्म में प्रतिवर्ष की भांति ऊंट दौड़ आयोजित होगी। कैमल फार्म में ऊंट श्रृंगार प्रतियोगिता ऊंट दौड़ प्रतियोगिता ऊंट डांस प्रतियोगिता एवं ऊंट पर कटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। बैठक में जिला कलक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने कहा कि ऊंट उत्सव में देशी-विदेशी पर्यटकों की अधिक से अधिक भागीदारी रहे, इसके लिए प्लानिंग करते हुए तैयारियां समय पर करें और प्रचार प्रसार पर विशेष ध्यान दिया जाए। पर्यटन विभाग वेबसाइट, समस्त होटल वेबसाइट्स एवं सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग को हेरिटेज रूट कि सड़कों, रायसर रोड़ एवं मुख्य मार्गों सहित स्ट्रीट लाइट को दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

व्यवस्थाओं का जायजा लेने का आदेश

जिला कलेक्टर ने पर्यटन विभाग को ऊंट दौड़ तथा हॉर्स रेसिंग प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र एवं राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र में व्यवस्थाओं का जायजा लेने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने बताया कि कैमल फेस्टिवल के दौरान काइट फ्लाइंग कंपटीशन का आयोजन भी किया जाएगा। कलेक्टर ने ऊंट उत्सव के दौरान होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं को भी आकर्षक रूप देने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मेले के दौरान प्रतिदिन शहरी परकोटे में पैदल वॉक और तांगा राइड, हवेली संगीत और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्त कार्यक्रमों का जायजा लेने तथा इससे जुड़े समस्त तैयारियों प्रारंभ करने के निर्देश दिए। बैठक में राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र निदेशक डॉ. अर्तबंधु साहू, पर्यटन विभाग के उप निदेशक अनिल राठौड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (नगर) दीपक कुमार शर्मा, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र उपायुक्त सुरेंद्र कुमार, सहायक निदेशक पर्यटन कृष्ण कुमार, जिला पर्यटन अधिकारी पवन शर्मा, पर्यटन विकास समिति के सदस्य गोपाल बिस्सा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

2018 में शुरू हुई थी भर्ती प्रक्रिया, स्टाफ सलेक्शन बोर्ड ने प्रारंभिक शिक्षा विभाग को भेजी अभिशंषा

एनटीटी सीधी भर्ती का परिणाम जारी, 75 अभ्यर्थी हुए चयनित

बेधड़क | जयपुर

पूर्व प्राथमिक शिक्षा अध्यापक सीधी भर्ती परीक्षा- 2018 के रिक्त पदों पर अंतिम परिणाम का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों के लिए कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से खुशखबरी आई है।

बोर्ड ने बुधवार को गैर अनुसूचित क्षेत्र के 73 और अनुसूचित क्षेत्र के 2 अभ्यार्थियों का अंतिम रूप से चयन कर इनकी पोस्टिंग के लिए रिकमंडेशन प्रारंभिक शिक्षा विभाग को भेज दी है। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों की पूर्व प्राथमिक कक्षाओं में छात्रों को पढ़ाने के लिए एनटीटी शिक्षकों की भर्ती को मंजूरी दी थी। इसे लेकर राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से कुल 1350 रिक्त पदों पर भर्ती परीक्षा आयोजित कराई गई थी। इनमें नॉन टीएसपी क्षेत्र के 1130 और टीएसपी क्षेत्र के 220 पद शामिल थे।

इनमें से 839 अभ्यर्थियों का अंतिम चयन कर पूर्व में रिकमंडेशन भिजवाई गई थी, जबकि बचे हुए 511 पदों पर श्रेणीवार तीन गुना अभ्यर्थियों को पूर्व में शॉर्टलिस्ट किया गया था, जिनकी पात्रता की जांच और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन इसी साल अक्टूबर में प्रारंभिक शिक्षा विभाग की ओर से करवाई गई थी।

इसमें पात्र पाए गए टीएसपी क्षेत्र के 2 और नॉन टीएसपी क्षेत्र के 73 अभ्यर्थियों का फाइनल सलेक्शन किया गया है। इसमें जनरल की कटऑफ 62.16 प्रतिशत, एससी की 45.94 प्रतिशत, एसटी की 42.56 प्रतिशत, ओबीसी की 54.72 प्रतिशत और एमबीसी की 40.54 प्रतिशत रही।

मर्ज कर दिए गए थे नर्सरी टीचर्स के 2500 पद

महिला एवं बाल विकास विभाग ने 12 जनवरी, 2023 को पूर्व प्राथमिक शिक्षा अध्यापकों के 2500 पदों को शिक्षा विभाग में मर्ज कर दिया था। साथ ही पूर्व में लगे हुए शिक्षकों को ब्रिज कोर्स का सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य किया गया, जिसके लिए एनटीटी शिक्षकों ने पांच विषयों की परीक्षा भी दी थी। वहीं, 2018 भर्ती के तहत राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने भी पहले चयनित अभ्यर्थियों की रिकमंडेशन महिला बाल विकास विभाग को भेजी थी। इस बार राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने चयनित अभ्यार्थियों की अभिशंषा प्रारंभिक शिक्षा विभाग बीकानेर को प्रेषित की है।

Yuva स्टोरीज

गोलमेज सम्मेलन में एआई और प्रबंधन शिक्षा पर चर्चा

बेधड़क | जयपुर

जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ने 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विकसित वैश्विक आर्थिक आउटलुकः प्रबंधन शिक्षा के लिए निहितार्थ' विषय पर डीन और निदेशकों के लिए एआईएमएस के उत्तरी क्षेत्र गोलमेज सम्मेलन की मेजबानी की। इस कार्यक्रम में 'एआई और वैश्वीकरण के सामने प्रबंधन शिक्षा के भविष्य पर' चर्चा हुई। इसमें एआईएमएस के पूर्व अध्यक्ष प्रो. एमआर राव, एआईएमएस (पंजाब और राजस्थान चैप्टर) के अध्यक्ष डॉ. प्रभात पंकज, यूनाइटेड यूनिवर्सिटी के कुलपति आनंद मोहन अग्रवाल, आईएमटी गाजियाबाद के निदेशक प्रो. विशाल तलवार ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में एआईएमएस के अध्यक्ष व मास्टर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट संस्थापक सुधीर शर्मा, श्री सरस्वती त्यागराज कॉलेज के महानिदेशक डॉ. आर नंदगोपाल, एआईएमएस के पूर्व अध्यक्ष प्रो. अशोक जोशी, भारतीय लागत एवं प्रबंधन अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान के महानिदेशक प्रो. उदय सालुंखे आदि ने प्रबंधन शिक्षा पर एआई के प्रभाव की बारीकियों पर गहराई से चर्चा की। '

ऑल इंडिया कैरम टूर्नामेंट में जाएगी राजस्थान टीम

बेधड़क | जयपुर

28वां ऑल इंडिया फेडरेशन चार दिवसीय कप कैरम टूर्नामेंट 10 दिसंबर को विशाखापट्टनम में शुरू होगा और 13 दिसंबर तक चलेगा। इस टूर्नामेंट में पुरुष और महिला खिताबों के अलावा पुरुष और महिला डबल्स के मैच भी आयोजित होंगे।

राजस्थान कैरम संघ की ओर से टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए पुरुष और महिला टीम में भेजी जा रही है। राजस्थान कैरम संघ के अध्यक्ष सूरज खत्री ने बताया कि विशाखापट्टनम में फेडरेशन कप का यह टूर्नामेंट गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के आरएम इंडोर स्टेडियम गांधीनगर में आयोजित किया जा रहा है। खत्री को इस टूर्नामेंट की आयोजन समिति का उपाध्यक्ष बनाया गया है। खत्री ने बताया कि नेशनल कैरम रैंकिंग 2022-23 के अनुसार के श्रीनिवास एक नंबर की रैंकिंग पर, असम के जुगल किशोर दत्ता दूसरी, संदीप दाइव तीसरी और पीएसबी के मोहम्मद गुफरान चौथी रैंकिंग पर रहे थे। टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सभी टीम 9 दिसंबर की शाम तक विशाखापट्टनम पहुंच जाएंगी।

'स्वयं' जनवरी सेमेस्टर का परिणाम घोषित

जयपुर। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने स्टडी वेब्स ऑफ एक्टिव लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंड्स (स्वयं) के जनवरी-2023 सेमेस्टर के 66 शेष पेपर्स का परिणाम घोषित कर दिया है। एनटीए की ओर से जारी एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार जो उम्मीदवार हाइब्रिड मोड में आयोजित परीक्षा में शामिल हुए थे वे एनटीए स्वयं की आधिकारिक वेबसाइट swayam.nta.ac.in के माध्यम से अपने परीक्षा परिणाम की जांच कर सकते हैं और उसकी कॉपी डाउनलोड कर सकते हैं। स्वयं जनवरी-2023 परीक्षा में शामिल छात्रों को अपने स्कोर कार्ड देखने, डाउनलोड करने और प्रिंट करने के लिए अपने लॉगिन क्रेडेंशियल जैसे ईमेल आईडी और जन्म तिथि की आवश्यकता होगी।

मनीषा और मुस्कान ने जीते अंतरराष्ट्रीय मैडल्स

अभावों से लड़कर जीतीं विश्व पटल पर छाई बेटियां

बेधड़क | जयपुर

मन में हौंसला, जीत की ललक और कुछ कर दिखाने का जुनून हो तो कोई बाधा मायने नहीं रखती, कोई अभाव आड़े नहीं आ सकता। ये साबित किया है जयपुर की दो बेटियों ने। मनीषा और मुस्कान ने जयपुर की कच्ची बस्ती ने निकलकर तुर्की में आयोजित आईएफएमए वर्ल्ड यूथ मुए थाई चैम्पियनशिप में गोल्ड और ब्रॉन्ज मैडल जीत कर देश का नाम अंतर्राष्ट्रीय पटल पर रोशन किया है।

जवाहर नगर झुग्गी बस्ती में बड़े होते हुए जीवन की हर चुनौती को मात देकर दोनों ने सफलता की यह इबारत लिखी है। इस चैम्पियनशिप में 126 देशों के 2700 एथलीट्स ने भाग लिया था।

मनीषा पेम ने वेकरू परफोर्मेंस में गोल्ड मैडल और मुए थाई की 16-17 आयु वर्ग में ब्रॉन्ज जीता है वहीं मुस्कान वर्मा ने वेकरू की 18+ आयु वर्ग में ब्रॉन्ज जीता है। दोनों विमुक्ति गर्ल्स स्कूल की छात्राएं हैं जो जयपुर की कच्ची बस्तियों की बच्चियों के लिए एक एनजीओ की ओर से चलाई जाती है। विमुक्ति संस्था एक एनजीओ है, जो बालिकाओं की एजुकेशन के लिए काम करती है। मनीषा के पिता जयसिंह मैकेनिक हैं और मुस्कान के पिता ई-रिक्शा चलाकर परिवार का पेट पालते हैं।

भाइयों को देख जागा स्पोर्ट्स का शौक

मनीषा ने बताया कि उनके दो भाई स्पोर्ट्स में रहे हैं। उन्हें देखकर ही उसे भी खेलने का शौक लगा। खेल में कॅरियर बनाने की सोची तो सुविधाओं का अभाव आड़े आया पर लगातार मेहनत कर इन बाधाओं पर विजय प्राप्त की। विमुक्ति स्कूल में 11वीं कक्षा की छात्रा मनीषा ने उड़ान प्रोजेक्ट के तहत मुए थाई खेल के बारे में जाना और इसमें ट्रेनिंग शुरू की। ये खेल बॉक्सिंग का ही एक फॉर्म है। कुछ दिन की ट्रेनिंग के बाद डिस्ट्रिक्ट और स्टेट लेवल पर मनीषा ने कई मैडल्स जीते।

लोगों के ताने सुने पर नहीं छोड़ा सपना

मुस्कान वर्मा ने बताया कि घर की बेहद कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण पढ़ाई कर पाना ही एक सपना था। एनजीओ की मदद से स्कूल में पढ़ने का मौका मिला और जब स्पोर्ट्स के बारे में पता चला तो इस क्षेत्र में पहचान बनाने के लिए खुद को पूरी तरह झोंक दिया। मुस्कान का कहना है कि उनके पिता एक ई-रिक्शा चलाकर गुजारा करते हैं जिसके कारण परिवार के आर्थिक हालात तंग हैं। लेकिन अब मुस्कान अपनी मेहनत के बल पर देश-विदेश में नाम कमा रही है।

अगले वर्ष या सेमेस्टर के लिए पंजीकरण

IGNOU का रजिस्ट्रेशन पोर्टल फिर खुला

बेधड़क | जयपुर

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) ने जनवरी 2024 के लिए पुनः पंजीकरण पोर्टल खोल दिया है। उम्मीदवार अगले वर्ष या सेमेस्टर के लिए पुनः पंजीकरण जमा कर सकते हैं और आधिकारिक वेबसाइट ignou.ac.in पर बिना विलंब शुल्क के ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन के लिए अभ्यर्थियों को सबसे पहले IGNOU पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। होमपेज पर उन्हें 'नया पंजीकरण' लिंक पर क्लिक करना होगा और अपना मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी प्रदान करना होगा। IGNOU की ओर से पंजीकृत मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी पर पुष्टिकरण और अन्य महत्वपूर्ण अपडेट भेजे जाएंगे। जिन लोगों ने पंजीकरण कराया है वे यूजर नेम और पासवर्ड का उपयोग करके लॉग इन कर सकते हैं।

IGNOU की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार यदि किसी स्टूडेंट को पोर्टल पर पंजीकरण करने में कठिनाई आए तो वह अपने खाते को फिर से सेट करने, ईमेल आईडी या मोबाइल नंबर अपडेट करने के लिए अपने क्षेत्रीय केंद्र से संपर्क कर सकते हैं। विश्वविद्यालय ने छात्रों को सलाह दी है कि जहां भी विकल्प दिया जाए वहां अपना पाठ्यक्रम सावधानी से चुनें और प्रस्तावित पाठ्यक्रमों के विवरण के लिए कार्यक्रम गाइड पढ़ें। इसमें कहा गया है कि बाद में पाठ्यक्रम बदलने से अभ्यर्थियों को पढ़ाई के लिए उपलब्ध समय की हानि हो सकती है।

ऐसे करें शुल्क भुगतान

छात्र भीम ऐप सहित क्रेडिट या डेबिट कार्ड और यूपीआई का उपयोग करके शुल्क भुगतान कर सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग के छात्र उनके लिए उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान विकल्पों का उपयोग कर सकते हैं। विश्वविद्यालय ने सलाह दी है कि अपना पुनः पंजीकरण फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि की प्रतीक्षा न करें। यदि ऑनलाइन भुगतान अपडेट नहीं होता है तो तुरंत दूसरा भुगतान न करें। इसमें कहा गया है कि छात्रों को एक दिन इंतजार करना चाहिए, भुगतान की स्थिति की जांच करनी चाहिए और फिर दूसरा भुगतान करना चाहिए।

बदलाव | **शैक्षणिक वर्ष 2024-2027 के लिए अनुमोदन प्रक्रिया पुस्तिका लॉन्च**

BBA-BCA कोर्स भी अब एआईसीटीई के दायरे में

बेधड़क | जयपुर

टैक्नोलॉजी और मैनेजमेंट के क्षेत्र में जाने के लिए पहली सीढी माने जाने वाले स्नातक कार्यक्रम व पाठ्यक्रम जैसे बीसीए, बीबीए व बीएमएस आदि अब अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के दायरे में रहेंगे।

एआईसीटीई की ओर से वर्ष 2024-2027 के लिए अनुमोदन प्रक्रिया पुस्तिका (एपीएच) बुधवार को नई दिल्ली में लॉन्च की गई। एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रोफेसर टी.जी. सीताराम ने उपाध्यक्ष डॉ. अभय जेरे और सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार के साथ पुस्तिका को लॉन्च किया।

प्रो. सीताराम ने बताया कि इस पुस्तिका में उन प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से बताया गया है जिनकी संस्थानों को तकनीकी और प्रबंधन कार्यक्रम/पाठ्यक्रम चलाने के लिए परिषद से अनुमोदन लेते समय पालन करने की आवश्यकता होती है। प्रो. सीताराम ने उन संशोधनों और प्रावधानों पर भी प्रकाश डाला, जिन्हें इस वर्ष शिक्षा की गुणवत्ता, प्रक्रियाओं के सरलीकरण और उनके कार्यान्वयन में पारदर्शिता पर फोकस करने के साथ अनुमोदन प्रक्रिया पुस्तिका में शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि पहली बार 600 से अधिक स्टेक हॉल्डर्स से प्राप्त सुझावों के आधार पर विशेषज्ञ समिति की ओर से तय मसौदे को पुस्तिका में शामिल किया गया है।

एपीएच में पेश किए गए ये नए बदलाव

- अच्छा प्रदर्शन करने वाले संस्थानों के लिए अनुमोदन तीन वर्ष तक बढ़ाया जाएगा।
- अच्छा प्रदर्शन करने वाले मौजूदा संस्थानों द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रमों/कार्यक्रमों के लिए प्रवेश की ऊपरी सीमा में छूट।
- संबद्ध विश्वविद्यालय/राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकार से भूमि दस्तावेजों और एनओसी की आवश्यकता से संबंधित अनुपालन में कटौती।
- संबद्ध विश्वविद्यालयों के अधिकार क्षेत्र के भीतर अच्छा प्रदर्शन करने वाले मौजूदा संस्थानों के लिए ऑफ-कैंपस प्रावधान की शुरुआत।
- कंप्यूटर एप्लीकेशन (जैसे बीसीए) और प्रबंधन (जैसे बीबीए/बीएमएस) में स्नातक कार्यक्रम/पाठ्यक्रम एआईसीटीई के दायरे में।
- रोजगार प्राप्त/कार्यरत पेशेवरों के लिए समय का बंधन हटाया। इस प्रणाली के माध्यम से डिप्लोमा/डिग्री/स्नातकोत्तर स्तर पर अपनी शैक्षणिक योग्यता/कौशल को उन्नत करने का प्रावधान।
- सुविधाओं के उन्नयन/पुनरुद्धार के लिए संस्थानों के लिए हाइबरनेशन का प्रावधान।
- ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल)/ऑनलाइन लर्निंग (ओएल) के लिए अनुमोदन प्रक्रिया पर अधिक स्पष्टता।
- सभी एआईसीटीई-अनुमोदित संस्थानों को मौजूदा बुनियादी सुविधाओं और मानव संसाधनों के प्रभावी उपयोग के माध्यम से कौशल (व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से) के लिए डिफॉल्ट अनुमोदन।
- एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित संस्थानों/विश्वविद्यालयों के लिए लागू मानदंडों और आवश्यकताओं के उल्लंघन के लिए संशोधित दंडात्मक कार्रवाई के प्रावधान।
- - इंडोवेशन कार्यक्रम के माध्यम से और अपने परिसरों में इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) की स्थापना।

दुष्प्रचार कर सकता है लोकतांत्रिक चर्चा को प्रभावित

जाहिद खान
स्वतंत्र टिप्पणीकार

14वां जस्टिस वीएम तारकुंडे मेमोरियल लेक्चर

"सीजेआई ने दुनिया भर में सोशल मीडिया के नकारात्मक इस्तेमाल, फ़र्जी ख़बरें और फेक वीडियो के बढ़ते इस्तेमाल को चिंताजनक बताते हुए कहा, "दुनिया भर में चाहे वह लीबिया हो, फिलीपींस हो, जर्मनी हो या अमेरिका फ़र्जी ख़बरों के प्रसार से चुनाव और नागरिक समाज कलंकित हुआ है।"

चीफ जस्टिस ऑफ़ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने इंटरनेट पर दुष्प्रचार और हेट स्पीच के अभूतपूर्व प्रसार के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि 'यह प्रवृत्ति लोकतंत्र में मुक्त भाषण को समझने के पारंपरिक तरीक़ों के लिए गंभीर चुनौती पैदा कर रही है।' सीजेआई ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, 'बाज़ार में विचारों के स्थान' के मुक्त भाषण सिद्धांत को फ़र्जी ख़बरों तक नहीं बढ़ाया जा सकता। बाज़ार केवल तभी अस्तित्व में रह सकता है, जब बुनियादी तथ्यों की सत्यता पर सहमति हो। तथ्यों का कोई बाज़ार नहीं है। दुष्प्रचार लोकतांत्रिक चर्चा को प्रभावित कर सकता है।'' उन्होंने उन अध्ययनों का हवाला दिया जो बताते हैं कि सोशल मीडिया पर फेक न्यूज अधिक व्यापक रूप से साझा की जाती हैं। सीजेआई ने संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट का हवाला दिया। इसमें बताया गया है कि कैसे म्यांमार की सेना ने जातीय सफ़ाई के लिए सोशल मीडिया को एक औजार के रूप में इस्तेमाल किया। उन्होंने आगे कहा, ''इस तरह फेक न्यूज के प्रसार को बर्दाश्त करना, उस स्वतंत्र और खुली बहस को ख़त्म कर देता है, जिसकी रक्षा लोकतंत्र करना चाहता है।

अगर हम बुनियादी तथ्यों की सत्यता पर सहमत नहीं हो सकते हैं, तो बहस रूक जाती है, पक्षपाती और कठोर हो जाती है। सामाजिक एकजुटता टूट जाती है। दुष्प्रचार में लोकतांत्रिक विमर्श को हमेशा के लिए ख़राब करने की शक्ति है, जो स्वतंत्र विचारों के बाज़ार को नकली कहानियों के भारी बोझ के नीचे पतन की ओर धकेल देता है।'' उन्होंने कहा, ''ट्रोल सेनाओं के आने के बाद और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर संगठित दुष्प्रचार अभियानों के साथ, डर यह है कि ऐसी बातों की भारी बाढ़ आ गई है, जो सच्चाई को तोड़-मरोड़ देती है।'' सीजेआई ने इस ख़तरनाक प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए कहा, ''प्रसार के पैमाने के आधार पर, फ़र्जी ख़बरें सच्ची जानकारी को ख़त्म कर देती हैं, जिससे विमर्श का चरित्र सच्चाई की जगह सबसे तेज़ आवाज़ से दब जाता है।'' सीजेआई ने दुनिया भर में सोशल मीडिया के नकारात्मक इस्तेमाल, फ़र्जी ख़बरें और फेक वीडियो के बढ़ते इस्तेमाल को चिंताजनक बताते हुए कहा, ''दुनिया भर में चाहे वह लीबिया हो, फिलीपींस हो, जर्मनी हो या अमेरिका फ़र्जी ख़बरों के प्रसार से चुनाव और नागरिक समाज कलंकित हुआ है।'' उन्होंने अपने व्याख्यान में भारतीय संदर्भ देते हुए कहा, ''मुझे याद है कि जब देश दुखद कोविड-19 महामारी का सामना कर रहा था, तब इंटरनेट फ़र्जी ख़बरों और अफ़वाहों से भरा हुआ था।'' ज़ाहिर है कि सीजेआाई ने जो कुछ कहा, वह हमारे दौर की कड़वी सच्चाई है।

अकेले सोशल मीडिया में ही नहीं, हमारे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर भी फ़र्जी ख़बरों और अफ़वाहों की भरमार थी। ख़बरों की सत्यता को जाने बिना, वह फ़र्जी ख़बरों को आगे बढ़ाता रहा। यहां तक कि नफ़रती ख़बरों से एक समुदाय विशेष को ख़लनायक बना दिया गया। गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने यह सब अहम बातें, पिछले दिनों '14 वें जस्टिस वीएम तारकुंडे मेमोरियल लेक्चर' में 'डिजिटल युग में नागरिक स्वतंत्रता को क़ायम रखना : निजता, निगरानी और मुक्त भाषण' विषय पर अपना सारगर्भित वक्तव्य देते हुए कहीं।

उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि ''दुष्प्रचार को भारतीय संविधान अनुच्छेद 19 के तहत पारंपरिक मुक्त भाषण सिद्धांतों और संवैधानिक न्यायशास्त्र द्वारा संरक्षित नहीं किया गया है।''यानी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में कोई दुष्प्रचार को बढ़ावा नहीं दे सकता। अगर कोई ऐसा करता है, तो वह कानून के दायरे में आएगा। अलबत्ता चीफ जस्टिस ने ऑनलाइन दुष्प्रचार से निपटने के लिए बनाए गए कानूनों के दुरुपयोग की आशंका भी व्यक्त की। उनका कहना था, ''जब ऑनलाइन भाषण की सामग्री मॉडरेशन की बात आती है, तो जटिल नैतिक दुविधा होती है, जो दो प्रमुख मूल्यों को संतुलित करने के प्रयास में उत्पन्न होती है। पहला, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को क़ायम रखना और दूसरी, गलत सूचना से होने वाले नुकसान की रोकथाम।''

इंटरनेट पर मुक्त भाषण का पता लगाने के लिए नए सैद्धांतिक ढांचे का आह्वान करते हुए सीजेआई ने यह भी कहा कि ''असहमति, सक्रियता और मुक्त भाषण की अभिव्यक्ति के माध्यम के रूप में निजी स्वामित्व वाले प्लेटफार्मों को अपनाने का एक दूसरा पहलू भी है।''

उन्होंने अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए कहा, ''निगमों के पास इतनी अपार शक्ति होने के कारण स्वीकार्य और अस्वीकार्य भाषण के मध्यस्थ के रूप में कार्य करने के लिए उन पर बहुत अधिक भरोसा किया गया है। भूमिका जो पहले राज्य द्वारा ही निभाई जाती है।'' उन्होंने पड़ोसी देश म्यांमार का उदाहरण देते हुए कहा, ''म्यांमार में जातीय हिंसा को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल की ख़बरों के विनाशकारी प्रभाव हो सकते हैं।

सरकार की ज़िम्मेदारी बनती है कि वह जल्द ही एक ऐसा नियामक ढांचा बनाए, जो डिजिटल युग में नागरिक स्वतंत्रता को क़ायम रखते हुए, झूठी और भ्रामक ख़बरें एवं फेक वीडियो पर नियंत्रण रखे। दुष्प्रचार और हेट स्पीच करने वालों को क़ानून के दायरे में लाया जाए। ताकि सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म नियमित हो और वहां एक स्वस्थ्य वातावरण बने।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

तमाम आरोपों के बावजूद धवल बनी रही शिवराज सिंह चौहान की छवि

मध्यप्रदेश में अब मुख्यमंत्री बनने की होड़

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ साहित्यकार
व पत्रकार

"ओबीसी वोट बैंक संभालने के नजरिए से प्रहलाद मुख्यमंत्री का चेहरा हो सकते हैं। उनके साथ उमा भारती तो है ही, लोधी समाज का बड़ा वोट-बैंक भी है। निर्विवाद होने के साथ उनकी छवि उज्जवल है। ऐसे में ओबीसी मुद्दे की राजनीति और वोट को केंद्र में रखकर देखा जाएगा तो शिवराज का वास्तविक विकल्प प्रहलाद पटेल ही हो सकते हैं। पटेल के बाद केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर मुख्यमंत्री की दौड़ में शामिल हैं।"

मध्यप्रदेश में भाजपा की बंपर जीत के बाद मुख्यमंत्री बनने की होड़ में प्रदेश के दिग्गज जुट गए हैं। यह होड़ इसलिए कांटे की है, क्योंकि प्रदेश में चुनाव किसी नेता के चेहरे पर नहीं लड़ा गया। दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि प्रदेश में जीत भले ही स्थानीय नेतृत्व के बूते हो, लेकिन श्रेय मोदी और अमित शाह को ही मिले। मध्यप्रदेश में 2003 से भाजपा की सरकार है।

इस दौरान उमा भारती और बाबूलाल गौर के छोटे कार्यकाल के बाद शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री की कमान ऐसे शुभ मुर्हूत में संभाली कि तमाम बाधाओं और व्यापम घोटाले जैसे आरोपों के बावजूद उनकी छवि धवल ही बनी रही। यही वजह है कि 18 साल मुख्यमंत्री रहने का मानक गढ़ने के बावजूद सत्ता विरोधी रुझान भी उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाया। मोदी-शाह के अनुयायी भले ही यह दावा करें कि मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में तो न शिवराज थे और न ही लाडली बहना? तब इन दोनों प्रांतों में भाजपा कैसे जीत गई? यहां गौरतलब है कि इन दोनों प्रांतों में कांग्रेस की सरकारें थीं, गोया, एंटी इनकंबेसी सिर चढ़कर बोल रही थी। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर दावा भले ही प्रहलाद पटेल, नरेंद्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया, वीडी शर्मा, कैलाश विजयवर्गीय और महिला विधायक रीति पाठक जता रहे हों, लेकिन पहला हक शिवराज का ही बनता है। हकीकत यह भी कि उन्हीं ही के चेहरे पर इन सब नेताओं की लाज बच पाई है। शिवराज के बाद दूसरा बड़ा दावा केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल का है।

प्रहलाद मूल भाजपाई होने के साथ प्रदेश और केंद्र में मंत्री रहने का लंबा अनुभव रखते हैं। चूंकि मई, 2024 में लोकसभा चुनाव भी हैं, इस लिहाज से मध्यप्रदेश में पिछड़े वर्ग के चेहरे के रूप में उनका नाम शिवराज के बाद दूसरे क्रम पर है। भाजपा शासित जितने भी राज्य हैं, उनमें अकेले शिवराज ही ओबीसी का चेहरा हैं। ऐसे में यदि शिवराज को केंद्र या संगठन की राजनीति में बड़ा पद मिलता है तो ओबीसी वोट बैंक संभालने के नजरिए

से प्रहलाद मुख्यमंत्री का चेहरा हो सकते हैं। उनके साथ उमा भारती तो है ही, लोधी समाज का बड़ा वोट-बैंक भी है। निर्विवाद होने के साथ उनकी छवि उज्जवल है। ऐसे में ओबीसी मुद्दे की राजनीति और वोट को केंद्र में रखकर देखा जाएगा तो शिवराज का वास्तविक विकल्प प्रहलाद पटेल ही हो सकते हैं।

पटेल के बाद केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर मुख्यमंत्री की दौड़ में शामिल हैं। ग्वालियर-अंचल के कद्दावर नेता के रूप में उनकी पहचान है। पार्षद पद के चुनाव से लेकर विधायक और सांसद के चुनाव तो उन्होंने जीते ही हैं, संगठन में भी कई छोटे पदों से लेकर प्रदेश अध्यक्ष की कमान भी उन्होंने दक्षतापूर्वक संभाली है। केंद्र में नरेंद्र मोदी की टीम में पिछले साढ़े 9 साल से तोमर विभिन्न विभागों का दायित्व संभाले हुए हैं। हालांकि कृषि मंत्री रहते हुए, जो कथित किसान हितों से जुड़े तीन विधेयक लाए गए थे, उस परिप्रेक्ष्य में किसानों के जबरदस्त विरोध के चलते सरकार को तीनों विधेयक वापस लेने पड़े थे। तोमर राजनीति के बड़े खिलाड़ी होने के बावजूद जीत के लिए क्षेत्र बदलने के आदी रहे हैं। दरअसल मतदाताओं के प्रति विश्वास की कमी के चलते उन्हें क्षेत्र बदलने की मजबूरी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा उनके मुख्यमंत्री बनने में बाधा कोई बड़ा जातीय समूह उनके पक्ष में नहीं होना भी है। फिर भी मोदी-शाह की जोड़ी किसी को भी मुख्यमंत्री बनाने की ताकत रखती है। ज्योतिरादित्य सिंधिया भी मुख्यमंत्री बनने की कतार में हैं।

हालांकि उनके पास विधायकों की संख्या ज्यादा नहीं है। उनके खाते में करीब 18 टिकट आए थे। इनमें से करीब 8 हारे हैं। ग्वालियर-चंबल अंचल में भी उनके पांच विधायक जीत पाए हैं। इनके अलावा गोविंद सिंह राजपूत, तुलसी सिलावट, प्रभुराम चौधरी, मनोज पटेल और नीलांशु चतुर्वेदी ने जीत हासिल की है। गोया, विधायक दल को मुख्यमंत्री चुनने का मौका मिलता है तो आलाकमान के इशारे के बिना उन पर सहमति नहीं बन पाएगी। हालांकि उनकी दावेदारी इसलिए जताई जा रही है, क्योंकि नरेंद्र मोदी जब ग्वालियर आए थे, तब उन्होंने सिंधिया को गुजरात का दादाद बताया और अमित शाह उन्हें महाराजा कह कर चुके हैं। इसलिए अटकलें लगाई जा रही हैं कि सिंधिया मुख्यमंत्री बन सकते हैं। परंतु सिंधिया के साथ कोई जातीय बहुलता नहीं है, अतएव जातीय कार्ड मुख्यमंत्री बनने की योग्यता है तो सिंधिया पिछड़ सकते है। वीडी शर्मा, कैलाश विजयवर्गीय और राकेश सिंह के नाम भी मुख्यमंत्री की दौड़ में शामिल हैं। इनमें शर्मा और कैलाश को सवर्ण समाज से होने का नुकसान उठाना पड़ सकता है, लेकिन संघ का दबाव बना तो इनमें से किसी एक को मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। राकेश सिंह पिछड़े वर्ग में आने वाले कुर्मी समुदाय से हैं। वे केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र सिंह के निकटतम रिश्तेदार हैं। उनकी पैरवी भूपेंद्र कर रहे हैं, लेकिन वे पर्याप्त दबाव बना पाते हैं अथवा नहीं यह कहना मुश्किल है। चौंकाने वाले फैसले लेने में माहिर मोदी-शाह की जोड़ी यदि प्रदेश को महिला मुख्यमंत्री देने की मंशा बना लेते हैं तो सीधे से विधायक रीति पाठक की मजबूत दावेदारी है। उनसे प्रदेश का ब्राह्मण वोट तो साधेगा ही, महिला मतदाता भी नाराज नहीं होंगी।

हालांकि भोपाल से विधायक कृष्णा गौर और इंदौर-4 से विधायक मालिनी गौड़ के भी नाम चल रहे हैं। कृष्णा भोपाल की महापौर रहने के साथ पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर की पुत्रवधु हैं। वहीं मालिनी गौड़ इंदौर की महापौर रह चुकी हैं। गोया, दोनों ही महिलाएं बड़ा राजनीतिक अनुभव रखती हैं, लेकिन लोकसभा चुनाव होने से पहले यदि शिवराज को हटाया जाना आसान नहीं होगा, क्योंकि नए मुख्यमंत्री के नाम का चयन आसान नहीं है। इसलिए मुख्यमंत्री को एकाएक बनाया जाना मुश्किल होगा।

दरअसल शिवराज विनम्र और उदार चेहरा होने के साथ लाडली बेटियों और बहनों के अलावा अपनी जाति का बड़ा वोट-बैंक भी साथ रखते हैं। वे धाकड़-किरार समाज से आते हैं, इस समाज का वोट पूरे मध्यप्रदेश में फैला हुआ है। शिवराज के साथ जीत कर आए अधिकतम विधायकों का समर्थन है। प्रशासनिक व्यवस्था भी न केवल उनके अनुकूल है, बल्कि लोकसभा चुनाव के अनुरूप भी है। गोया, शिवराज को पटकनी देना मोदी-शाह की जोड़ी को महंगा सौदा भी साबित हो सकता है?

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

पार्टी की पराजय पर मेरे मन की बात

प्रकाश हेमावत
व्यंग्यकार

पिछले दिनों चुनाव परिणाम पर मेरी पार्टी को मिली पराजय के कारणों का पता लगाने के लिए राष्ट्रीय, प्रदेश, स्थानीय स्तर तक के समाचार पत्रों को बारीकी से खंगालता हुआ उन तमाम प्रकार की कमियों का बारीकी से अध्ययन करता हुआ बड़ी तन्मयता के साथ पढ़ रहा था। साथ ही यह सोच रहा था कि पार्टी के वरिष्ठ नेता, जिम्मेदार पदाधिकारी इस पराजय की जिम्मेदारी अपने ऊपर लेकर किसी प्रकार से चिंतन मनन को लेकर कोई चिंतन शिविर का आयोजन करेंगी और उस चिंतन शिविर में मैं अपना चिंतन व्यक्त इस प्रकार से करूंगा-

महंगाई पर हंगामा करना, नौटंकी करना, किसी बात को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी, शहर में तालाबंदी, भूख हड़ताल आदि आदि करना विपक्षियों का संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकार और कर्तव्य के साथ समाज की दशा और दिशा बदलने का दायित्व भी है। इसके लिए हमारी पार्टी के कुछ तथाकथित नेताओं द्वारा चुनाव के समय कुछ गंभीर मुद्दों को लेकर उनके मुखारविंद से अनजाने शब्दों की बौछार हो जाने से दूसरी पार्टी को इसका भरपूर लाभ मिल गया। आज जो पार्टी जीती है उसकी जीत की वजह हमारी लापरवाही और अति आत्मविश्वास भरे बड़बोलेपन के कुछ अनैतिक बोल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह कहना कोई गलत नहीं होगा कि उनकी सफलता के पीछे हमारा ही 'हाथ' व हमारा 'साथ' है। राजनीति में 'अजय' रहने वाले 'अरुण' इतने परेशान और प्रताड़ित थे कि हमारे गांव का पटवारी 'उर्फ' 'पायलेट' भी अपने अधिकारियों के खिलाफ कुछ बोल नहीं पा रहे थे। जिसकी वजह पार्टी 'हाशिए' पर खड़ी हो गई गांव के मुखिया, ठेकेदार 'डिग्गी नाथ' ने सड़क में गड्ढे खुदवाकर कई कर्मठ, इमानदार, सेवाभावी नेताओं को, कार्यकर्ता को 'गड्ढे' में गिराने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखी।

मुखिया जी 'दिखावे' के लिए आरोप प्रत्यारोप करके एक दूसरे के 'कपड़े फाड़' रहे हैं, सड़क दिख रहा है अपनी गर्दन कड़क दिख रहा है। यहां से दादा हार गए वहां भैया जी हार गए, सेठ जी का क्या हुआ?, कमल जी का क्या होगा क्या नहीं होगा? लगभग लगभग इस रुझान ने सब का रुझान साफ कर दिया, मुझ जैसे सामान्य कार्यकर्ता के मन में पार्टी के लिए नव सृजन की कामना है तो किसी के मुंह पर सूजन दिखाई दे रहा है। आने वाले 24 के चुनाव में हमारी स्थिति क्या होगी इस बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता है। अधिकांश टीवी चैनल तथा कुछ प्रिंट मीडिया शहर में शेर की तरह दहाड़ मार मार कर नतीजे से पहले सट्टे बाजार की गर्मागर्म जानकारी दें रहे थे, जबकि पुलिस की नजर में सट्टा गैर कानूनी है जब इतनी जोर-शोर से सट्टे बाजार की चर्चा हो रही है तो फिर हमारे देश की पुलिस 'सोई' हुई क्यों है? यह एक चिंता का विषय हो सकता है? सट्टे बाजार की इस आत्म संतुष्टि वाली खबर से हमारे नेता कहीं ना कहीं अंदर ही अंदर सट्टा बाजार के पूरे माहौल को देखकर खुश जरूर हो रहे थे कि हमें जीत हासिल हो गई और सत्ता सुंदरी का आलिंगन भी हो गया है, अब यह एक ख्वाब ख्वाब ही रह गया। चुनावों के परिणाम पूर्णतः आईने की तरह सामने आ गए, इसमें कोई संदेह, संकोच नहीं। चुनाव के समय आपसी जो मतभेद बढ़ गए थे, उन्हें भी समाप्त करके (दिखावे के लिए) हमारे ही पार्टी के कुछ राजा महाराजा दिग्विजय होकर पार्टी को मजबूत (नेस्तनाबूद) करने का संकल्प ले रहे हैं (सपना भी देख रहे हैं) जो, लगातार लगातार (छद्म आवरण ओढ़े) विकास की बात कर रहे हैं। अब जो जीत गए वह तो विकास की बात करेंगे जो हार गए वह विकास कैसे करेंगे सिर्फ चिंतन ही कर सकते हैं।

दीया कुमारी, बीजेपी विधायक
@KumariDiya
कांग्रेस ने अपने पांच सालों में राजस्थान को इस 'कुशासन' के अलावा और कुछ नहीं दिया। बेलगाम अपराध में हत्या और लूट जैसी घटनाएं आम हो चुकी हैं।

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
यदि आप अपना मन, शरीर और भावनाएं खोल देते हैं, तो आपका जीवन बहुत अच्छा होगा। यदि आप अपनी ऊर्जाएं खोल दें तो यह जादुई हो जाएगा।

नॉलेज कॉर्नर: दुनिया के सामने एक और संकट

अंटार्कटिका से समुद्र की ओर बढ़ रहा हिमखंड

दुनिया के सामने एक और संकट आ खड़ा हुआ है। यह प्रकृति के साथ हो रही छेड़छाड़ के परिणाम यानी जलवायु परिवर्तन का नतीजा है। न्यूयार्क शहर से लगभग साढ़े तीन गुना और ग्रेटर लंदन से ढाई गुना लगभग चार हजार वर्ग किलो मीटर का आइसबर्ग यानी हिमखंड अंटार्कटिका से निकलकर समुद्र की ओर बढ़ चला है। यह हिमखंड अंटार्कटिका से अलग हुआ है। इसका क्षेत्रफल चार हजार वर्ग किलोमीटर से भी ज्यादा है। यह साल 1986 में अंटार्कटिका से टूटकर अलग हुआ था, लेकिन स्थिर बना रहा। अब 37 साल बाद इसने अपनी जगह को छोड़ना शुरू किया है और अंटार्कटिका के वेडेल सागर में समा गया है। विस्तृत जानते हैं आज के नॉलेज कॉर्नर में...

तेज हुई रफ्तार

यह बर्फ के द्वीप के रूप में वैज्ञानिकों के सामने है। जैसे-जैसे यह पिघल रहा है, इसका साइज भी कम हो रहा है और समुद्र में इसकी गति भी बढ़ रही है। यूरोपीय वैज्ञानिकों ने पहली बार इसे देखा और महसूस किया है। सैटेलाइट तस्वीरों के जरिए वैज्ञानिकों ने दुनिया को चेतावनी भी दी है। विज्ञान इसे एक खतरे के रूप में देख रहा है। इस समय यह अंटार्कटिक प्रायद्वीप के उत्तरी सिरे से गुजर रहा है और दक्षिण की ओर बढ़ रहा है। इंटरनेशनल मीडिया के मुताबिक यह हिमखंड पिछले एक साल से खिसक रहा है, पर अब इसकी रफ्तार तेज हुई है।

आपदा में अवसर

साल 1986 में सोवियत संघ का रिसर्च सेंटर इसी हिस्से पर था। बढ़ती हलचल के बीच रूस ने अपने रिसर्च सेंटर को बचाने और उपकरणों आदि की सुरक्षा के लिए एक टीम भी रवाना किया है। वैज्ञानिक कहते हैं कि साल 1986 में अलग होने के बावजूद यह स्थिर था, लेकिन साल 2020 में पहली दफा इसमें हलचल देखी गई और अब यह बढ़ गई है। जॉर्जिया द्वीप आसपास पहुंचने तक यह समुद्र में समा सकता है। अगर ऐसा न हुआ तो यह इस द्वीप को समाप्त भी कर सकता है। वहां जंगली जीवों आदि को खतरा पैदा हो सकता है।

संभलने की चेतावनी

यह चेतावनी है कि हम संभलें। पर्यावरण पर पूरी दुनिया में काम हो। अन्यथा इसके और विपरीत परिणाम देखने को मिल सकते हैं। वैज्ञानिक यह भी मानकर चल रहे हैं कि इस आइसबर्ग के टूटने और खिसकने के बाद उसके नीचे कुछ नई चीज भी मिल सकती है। दुनिया का ध्यान इस ओर भी जाना चाहिए।

कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन

मिजोरम के नामित मुख्यमंत्री जेडपीएम के नेता लालदुहोमा ने कहा...

शरणार्थियों के मुद्दे पर गृह मंत्री शाह और विदेश मंत्री से करूंगा बात

एजेंसी | आइजोल

मिजोरम के नामित मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने बुधवार को कहा कि वह म्यांमार और बांग्लादेश के शरणार्थियों तथा मणिपुर से विस्थापित लोगों के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए जल्द ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे।

जातीय संघर्ष सहित कई समस्याओं के कारण दोनों पड़ोसी देशों और मणिपुर के लगभग 44,000 लोगों ने मिजोरम में शरण ले रखी है। जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के नेता लालदुहोमा ने राजभवन में राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति से मुलाकात की और विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी की जीत के बाद नई सरकार बनाने का दावा पेश किया।

उनकी सरकार शुक्रवार को शपथ ले सकती है। लालदुहोमा ने बाद में संवाददाताओं से कहा, मेरी मंगलवार को गृह मंत्री और विदेश मंत्री के साथ टेलीफोन पर बातचीत हुई। मैं जल्द ही दिल्ली में उनसे मिलकर चर्चा करूंगा कि केंद्र और राज्य सरकार शरणार्थियों एवं विस्थापित लोगों की देखभाल के लिए मिलकर कैसे काम कर सकती हैं।

जेडपीएम के नेता लालदुहोमा (73) ने कहा कि उनकी सरकार मानवीय आधार पर म्यांमार और बांग्लादेश के शरणार्थियों और मणिपुर के विस्थापित लोगों को आश्रय देना जारी रखेगी।

उनकी सरकार यह भी देखेगी कि क्या वह मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) नीत निवर्तमान सरकार की तुलना में उन्हें बेहतर

राहत दे सकती है। जेडपीएम ने सोमवार को जोरमथांगा के नेतृत्व वाले एमएनएफ को हराकर कुल 40 विधानसभा सीटों में से 27 सीटें हासिल कीं। लालदुहोमा ने उम्मीद जताई कि केंद्र म्यांमार के शरणार्थियों की देखभाल के लिए राज्य सरकार की मदद करेगी क्योंकि यह एक मानवीय मुद्दा है।

लालदुहोमा कल लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

आइजोल। जोराम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के नेता लालदुहोमा शुक्रवार को मिजोरम के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। लालदुहोमा ने बुधवार को राज्यपाल हरी बाबू कंभमपति से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया था। सूत्रों ने कहा, लालदुहोमा शुक्रवार को सुबह 11 बजे राज भवन में होने वाले एक समारोह में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। जेडपीएम सोमवार को विधानसभा चुनाव में विजयी बनकर उभरी, उसने कुल 40 सीटों में से 27 पर जीत हासिल की। भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी लालदुहोमा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सुरक्षा प्रभारी के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। लालदुहोमा ने नवनिर्वाचित सदस्यों एवं अन्य नेताओं के साथ मंगलवार शाम को बैठक की और मंत्रिपरिषद के गठन एवं विभागों के बंटवारे पर चर्चा की। जेडपीएम ने राज्य विधानसभा चुनावों में निवर्तमान सत्तारूढ़ दल मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) को शिकस्त दी, जिसे केवल 10 सीटें मिलीं।

नागपुर में जनसभा को संबोधित करेंगे: देशमुख

नागपुर। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक शरद पवार, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह 12 दिसंबर को राकांपा की 'युवा संघर्ष यात्रा' के समापन के अवसर पर नागपुर में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। यह यात्रा विभिन्न मुद्दों को उठाने के लिए 24 अक्टूबर को कर्जत-जामखेड सीट से राकांपा(शरद पवार नीत) विधायक रोहित पवार के नेतृत्व में पुणे से शुरू हुई थी। रोहित ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि पदयात्रा नागपुर के लगभग 120 किमी करीब पहुंच गई है। राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान 800 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करने के बाद यात्रा का समापन नागपुर में होगा।

एमएनएफ: जोरमथांगा का इस्तीफा अस्वीकार

आइजोल। मिजोरम विधानसभा चुनाव में हार का सामना करने वाली एमएनएफ ने बुधवार को अपने अध्यक्ष जोरमथांगा का इस्तीफा अस्वीकार कर दिया और इस बात पर सहमति जताई की कि वह पद पर बने रहेंगे। एमएनएफ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष तावंलुइया ने कहा कि एमएनएफ की राष्ट्रीय कोर समिति और राजनीतिक मामलों की समिति ने जोरमथांगा के इस्तीफे को अस्वीकार कर दिया और उनके द्वारा हार की नैतिक जिम्मेदारी लेने की सराहना की। उन्होंने कहा कि बैठक में महसूस किया गया कि चुनाव परिणाम पार्टी की सामूहिक जिम्मेदारी है न कि अकेले अध्यक्ष की। ज्ञात रहे कि जोरमथांगा ने 30 वर्षों तक राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया।

मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़: भाजपा चौंका सकती है सीएम के नाम पर

BJP नए चेहरे व दो डिप्टी सीएम से साधेगी सियासी समीकरण!

एजेंसी | भोपाल/रायपुर

मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में स्पष्ट बहुमत हासिल करने के बाद भाजपा में दोनों राज्यों में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर मंथन और अटकलें दोनों तेज हो गई हैं। चर्चा है कि सीएम पद की कमान किसी नए चेहरे को सौंपी जा सकती है और दो डिप्टीसीएम बनाए जा सकते हैं। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में पार्टी ने जिस तरह से दो तिहाई बहुमत हासिल किया है, इससे इस पद पर उनका दावा स्वतः मजबूत हो गया है। इसके अलावा चौहान प्रदेश में पार्टी में सबसे बड़ा ओबीसी चेहरा हैं, जिनके वोटरों की संख्या लगभग पचास फीसदी हैं। हालांकि शिवराज सिंह खुद कह चुके हैं कि वह इस पद के दावेदार न पहले थे और ना आज हैं। वे फिलहाल राज्य के दौरे के तहत बुधवार को छिंदवाड़ा पहुंचे। दूसरी ओर छत्तीसगढ़ में भी डॉ. रमन सिंह, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव को सीएम पद की दौड़ में प्रमुख दावेदार माना जा रहा है।

इनके अलावा केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह, गोमती साय, राम विचार नेतामऔर विष्णु देव साय के नाम भी चर्चा में शामिल माने जा रहे हैं। चूंकि पार्टी को तीन चार माह में लोकसभा चुनाव के लिए मैदान में उतरना है, इसलिए वह बहुत ही सावचेती से कदम उठा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार विधानसभा चुनाव से पूर्व मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री बदले जाने की जो अटकलें थी, वह अब और भी तेज हो गई है। ऐसे में केंद्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, नरेंद्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया, कैलाश विजयवर्गीय के नाम भी सीएम पद की रेस में शामिल माने जा रहे हैं। इनमें से कई नेता ऐसे है, जिन्हें न सिर्फ प्रशासनिक बल्कि संगठनात्मक अनुभव है। ऐसे में हर एक का दावा मजबूत दिखाई पड़ता है। यदि पार्टी संगठन से किसी मजबूत नेता को सीएम की कुर्सी सौंपती है तो यह नाम बदल भी सकते हैं। पार्टी ने इस बार दोनों राज्यों में विधानसभा चुनाव में सीएम फेस के बिना चुनाव मैदान में उतरी थी, इसलिए भी चौहान के स्थान पर नए नेता को लेकर भी राजनीतिक क्षेत्रों में अटकलें लगाई जा रही हैं।

इसके साथ ही प्रदेश में किसी महिला को मुख्यमंत्री बनाने और दो डिप्टी सीएम बनाने की भी अटकलें हैं। पार्टी ओबीसी व आदिवासी मतदाताओं पर अपनी पकड़ को मजबूत रखने के लिए यह दांव चल सकती है।

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बुधवार को छिंदवाड़ा जिले के दौरे के दौरान एक लड़की के पांव धोते हुए। उन्होंने वहां कई कार्यक्रमों में भाग लिया।

छत्तीसगढ़: आदिवासी सीएम संभव

छत्तीसगढ़ में भाजपा अगर अगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए आदिवासी चेहरे पर मुख्यमंत्री का दांव चलती है तो इस रेस में बड़ा नाम केवल विष्णु देव साय को मुख्य दावेदार माना जा रहा है। वह राज्य में बड़ा आदिवासी चेहरा हैं। साल 2022 में विष्णुदेव साय को हटाकर अरुण साव को बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। छत्तीसगढ़ आदिवासी बाहुल्य राज्य है। यहां की 32 फीसदी आबादी एसटी वर्ग की है। अगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर भाजपा यह दांव चल सकती है।

केरल सरकार व राजभवन के बीच विवाद

सरकार से सलाह लेने को तैयार हूं, दबाव के लिए नहीं: खान

एजेंसी | तिरुवनंतपुरम

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने बुधवार को कहा कि वह राज्य सरकार से सलाह लेने के लिए तैयार हैं, लेकिन उनके दबाव के लिए नहीं। खान का यह बयान महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि उन्होंने स्वीकार किया है कि कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में गोपीनाथ रवींद्रन की पुनर्नियुक्ति के संबंध में वह राज्य सरकार के दबाव में आ गए थे। उच्चतम न्यायालय ने गोपीनाथ की पुनर्नियुक्ति रद्द कर दी थी।

राज्यपाल ने कहा कि वह सरकार के दबाव के आगे सिर्फ इसलिए झुके कि पुनर्नियुक्ति के संबंध में राज्य के शीर्ष विधि अधिकारी, महाधिवक्ता (एजी) की कानूनी राय थी। उन्होंने कहा, मैंने मीडिया के सामने कहा है कि मैंने जो किया वह गलत था। लेकिन, मैं उस दबाव के आगे झुक गया, क्योंकि महाधिवक्ता की एक कानूनी राय थी। अन्यथा, राजनीतिक दबाव का मैं विरोध करता। उन्होंने कहा, अगर मुझे किसी चीज़ की वैधता के बारे में कोई भ्रम है, तो मैं किसके पास जाऊंगा? महाधिवक्ता के पास, क्योंकि वह राज्य में शीर्ष विधि अधिकारी हैं।

पीओके को आजाद कश्मीर कहने से बचें माकपा सदस्य और उसके समर्थक

खान ने कहा कि राज्य सरकार यदि किसी विधेयक या अध्यादेश के सिलसिले में तत्काल कार्रवाई चाहती है तो उसे राजभवन आना चाहिए और उन्हें इस बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए। उन्होंने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन से यह सुनिश्चित करने को कहा कि माकपा के सदस्यों और समर्थकों को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को आजाद कश्मीर कहने से बचना चाहिए और अलगाववाद एवं क्षेत्रवाद की आग नहीं भड़कानी चाहिए। उन्हें ये चीजें रोकनी चाहिए। ये संविधान विरोधी गतिविधियां हैं जो राष्ट्र की एकता और अखंडता को खतरा पेश करती हैं।

तेलंगाना: नई सरकार के गठन की तैयारियां

रेवंत आज लेंगे CM पद की शपथ

एजेंसी | हैदराबाद

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अनुमुला रेवंत रेड्डी हालिया विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत के बाद गुरुवार को राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे।शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांध के शामिल होने की संभावना है। शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को यहां विशाल एलबी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। राज्य की मुख्य सचिव ए. शांति कुमारी ने शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और बुधवार को एलबी स्टेडियम का भी दौरा किया।

खरगे, राहुल व अन्य नेताओं से मुलाकात

इस बीच, रेड्डी ने दिल्ली में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य से मुलाकात की। सोनिया गांधी से बाद में संसद के बाहर संवाददाताओं से बातचीत में संकेत दिया कि वह शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हो सकती हैं। एआईसीसी नेतृत्व ने मंगलवार को रेवंत रेड्डी को कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) का नेता और तेलंगाना का अगला मुख्यमंत्री नामित किया।

'इंडिया' के घटक दलों के संसदीय नेताओं की बैठक

लोस चुनाव की रणनीति को लेकर चर्चा

एजेंसी | नई दिल्ली

विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों के संसदीय दल के नेताओं ने बुधवार को यहां बैठक की जिसमें हालिया विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद की स्थिति और 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आगे की रणनीति पर चर्चा की गई।

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हुई बैठक में कांग्रेस से खरगे, राहुल गांधी और जयराम रमेश, द्रमुक के टी.आर. बालू, समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव, जावेद अली खान एवं एस.टी. हसन, आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा, जनता दल (यूनाइटेड) के राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, राष्ट्रीय जनता दल के फैयाज अहमद, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की वंदना चव्हाण , राष्ट्रीय लोक दल के जयंत चौधरी , झारखंड मुक्ति मोर्चा की महुआ मांझी, भाकपा के विनय विश्वम तथा कुछ अन्य नेता शामिल हुए। गठबंधन के कुछ घटक दलों के प्रमुख नेताओं की अनुपलब्धता के चलते अब संसदीय दल के नेताओं की समन्वय बैठक हुई है।

प्रमुख नेताओं की बैठक इस महीने के तीसरे सप्ताह में होगी। यह बैठक ऐसे समय हुई, जब मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के हालिया विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस ने तेलंगाना में जीत दर्ज की है।

जद यू नेता की नीतीश को विपक्षी गठबंधन का संयोजक बनाने की मांग

सीट बंटवारे सहित आगे की रणनीति पर काम करे 'इंडिया': सीएम नीतीश

एजेंसी | पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत को कम महत्व देते हुए बुधवार को कहा कि इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) गठबंधन को सीट बंटवारे के मुद्दे सहित अपनी भविष्य की रणनीतियों को अंतिम रूप देने में तेजी से काम करना चाहिए।

दूसरी ओर जनता दल (यू) के नेता व राज्यसभा सदस्य रामनाथ ठाकुर ने कहा है कि नीतीश कुमार को विपक्षी गठबंधन इंडिया का संयोजक बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने अपनी छवि ऐसी बनाई है जो उन्हें विपक्षी समूह के संयोजक बनने के लिए सबसे उपयुक्त बनाती है।

सीएम नीतीश कुमार ने पटना में संवाददाताओं से कहा, पिछले चुनावों में इन राज्यों (छत्तीसगढ़, राजस्थान) कांग्रेस ने जीत हासिल की थी। इस बार भी कांग्रेस को अच्छा खासा वोट मिला है, लेकिन भाजपा जीती। तेलंगाना में कांग्रेस ने जीत दर्ज है।

इन सब पर कोई खास चर्चा की जरूरत नहीं है। हम तो यही चाहते हैं कि बहुत तेजी से विपक्ष एकजुट हो। उन्होंने कहा, खबर में चल रहा था कि हम 'इंडिया' गठबंधन की बैठक में नहीं जा रहे हैं जबकि ऐसी कोई बात नहीं थी। मेरी तबीयत खराब थी। मुझे सर्दी-खांसी, बुखार था। अगली बैठक होगी तो हम फिर से कहेंगे कि अब देर नहीं कीजिए। आपस में बैठकर सब कुछ जल्दी से तय कर लीजिए।

ज्ञात रहे कि राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद ने मंगलवार को कहा था कि 2024 के लोकसभा चुनाव की रणनीति तैयार करने के लिए 'इंडिया' गठबंधन के शीर्ष नेता 17 दिसंबर को दिल्ली में बैठक करेंगे। इसके अलावा कई शीर्ष नेताओं के शामिल न हो पाने के कारण बुधवार को होने वाली बैठक टाल दी गई थी।

मुझे कुछ नहीं चाहिए, बस विपक्ष एकजुट हो

'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व करने से संबंधित सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री पद को लेकर अक्सर मेरे बारे में खबरें आती हैं कि लेकिन मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि मुझे कुछ नहीं चाहिए। हम केवल यही चाहते हैं कि विपक्ष एकजुट हो और अभी जो पार्टी केंद्र की सत्ता में है उसके खिलाफ चुनाव लड़े। वे लोग देश के इतिहास को बदलने में लगे हुए हैं।

टीएमसी का सीट बंटवारे व घोषणापत्र को अंतिम रूप देने पर जोर

कोलकाता। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में मतभेद के संकेतों के बीच तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ एक विश्वसनीय चुनौती पेश करने के लिए सीट-बंटवारे पर शीघ्र बातचीत, एक सामूहिक विमर्श तय करने और घोषणापत्र को अंतिम रूप देने के महत्व को रेखांकित किया है। विपक्षी गठबंधन के शीर्ष नेताओं की एक बैठक दिसंबर के तीसरे सप्ताह तक के लिए टाल दी गई है, क्योंकि उनमें से कुछ ने अपनी व्यस्तताओं के कारण इसमें भाग लेने में असमर्थता व्यक्त की है। लोकसभा में टीएमसी के नेता सुदीप बंदोपाध्याय ने हिंदी भाषी राज्यों - राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश-में एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगियों के नकारात्मक प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त की, जहां भाजपा)से कांग्रेस हार गई।बंदोपाध्याय ने कहा,'इंडिया' गठबंधन की तीन सफल बैठकों के बाद बनी गति पिछले तीन महीनों में कोई गतिविधि नहीं होने के कारण कम हो गई। इन तीन हिंदी भाषी राज्यों में एक-दूसरे के खिलाफ लड़ने वाले साझेदारों ने भी गलत संदेश दिया है।

जरूरी खबर

गरबा यूनेस्को की सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल

अहमदाबाद। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने बुधवार को कहा कि राज्य के लोकप्रिय गरबा नृत्य को यूनेस्को ने मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया है। मंगलवार को कसाने, बोत्सवाना में शुरू हुई अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की हिफाजत के लिए अंतर सरकारी समिति की बैठक के दौरान इसे सूची में शामिल किया गया।

द्रमुक सांसद ने विवादित टिप्पणी के लिए जताया खेद

नई दिल्ली। द्रमुक सांसद डीएनवी सेंथिल कुमार ने अपनी एक विवादित टिप्पणी के लिए बुधवार को लोकसभा में खेद जताया और अपने बयान को वापस लेने की घोषणा की। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान कहा, मेरे द्वारा मंगलवार को दिए गए बयान से सदस्यों और जनता के किसी वर्ग की भावनाएं आहत हुई हैं तो मैं उस बयान को वापस लेता हूं। मैं खेद जताता हूं। पीठासीन सभापति किरीट सोलंकी ने कहा, बयान को पहले ही कार्यवाही से हटा दिया गया है और आपने खेद जता दिया है। द्रमुक के नेता टी आर बालू ने कहा कि पार्टी सांसद सेंथिल कुमार ने बयान दिया था, वह सही नहीं था और पार्टी नेता तथा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस बयान को गंभीरता से लिया है।

चोकसी दंपती के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला बहाल

नई दिल्ली। फरार कारोबारी मेहुल चोकसी और उसकी पत्नी को झटका देते हुए उच्चतम न्यायालय ने गुजरात पुलिस द्वारा दर्ज धोखाधड़ी का एक मामला बहाल कर दिया है। शीर्ष अदालत ने दोनों के खिलाफ इस मामले में प्राथमिकी रद्द करने के गुजरात उच्च न्यायालय के 2017 के आदेश को दरकिनार कर दिया। मेहुल चोकसी अपने भतीजे नीरव मोदी के साथ पंजाब नेशनल बैंक घोटाला मामले में भी आरोपी है, जिसमें बैंक से 14,000 करोड़ रुपए से अधिक की कथित तौर पर धोखाधड़ी की गई। शिकायतकर्ता दिग्विजय सिंह हिम्मत सिंह जडेजा द्वारा 2015 में गुजरात में दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार, चोकसी और उसकी पत्नी पर 30 करोड़ रुपए के 24 कैरेट शुद्ध सोने की बिस्कुट से जुड़े व्यापारिक लेनदेन के संबंध में जालसाजी और धोखाधड़ी करने का आरोप है।

चेन्नई के कई इलाके अब भी जलमग्न

चेन्नई। *चेन्नई और उसके आसपास के जिलों में चक्रवात मिचौंग ने भारी तबाही मचाई। जलभराव इलाकों में राहत व बचाव कार्य बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रहे। चक्रवात के असर से हुई भारी बारिश के कारण वेलच्चेरी और तांबरम सहित कई इलाकों में बाढ़ आ गई थी। लोगों को अपने बच्चों को लेकर सड़कों पर घुटनों तक भरे पानी के बीच से गुजरना पड़ा। फोटो में भारी बारिश से चेन्नई के जलमग्न हुए इलाके नजर आ रहे हैं।*

जम्मू कश्मीर से संबंधित दो विधेयक लोकसभा में पारित

पीओके हमारा है, वहां के लिए 24 सीटें आरक्षित: गृहमंत्री शाह

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल के दौरान हुए दो 'बड़े ब्लंडर' (गलतियों) का खामियाजा जम्मू-कश्मीर को वर्षों तक भुगतना पड़ा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर पर लोकसभा में मंजूरी के लिए लाए गए दो विधेयक उन लोगों को अधिकार प्रदान करने से संबंधित हैं जिन्होंने अन्याय का सामना किया और अपमानित और नजरअंदाज किए गए।

शाह ने जम्मू कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 पर सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए यह बात

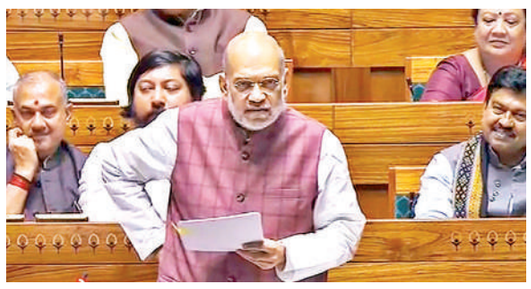

कही। गृह मंत्री के जवाब के बाद इन दोनों विधेयकों को ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। शाह ने कहा कि पीओके लिए 24 सीटें आरक्षित की गई हैं क्योंकि पीओके हमारा है। उन्होंने कहा कि पहले जम्मू में 37 सीटें थीं, अब 43 हैं। कश्मीर में पहले 46 थीं, अब 47 हैं। इन दोनों संशोधन को हर वो कश्मीरी याद रखेगा जो पीड़ित और पिछड़ा है। गृह मंत्री ने कहा कि विस्थापितों को आरक्षण देने से उनकी आवाज जम्मू-कश्मीर की विधानसभा में गूंजेगी।

गृह मंत्री शाह ने कश्मीरी पंडितों की घाटी में वापसी के सवालों पर कहा कि कश्मीरी विस्थापितों के लिए 880 फ्लैट बन गए हैं और उनको सौंपने की प्रक्रिया जारी है।

क्या हैं विधेयक और उनके प्रावधान

- **1-जम्मू कश्मीर** आरक्षण विधेयक अनुसूचित जाति और जनजाति तथा अन्य सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के लोगों को नौकरियों और व्यावसायिक संस्थानों में आरक्षण प्रदान करता है।
- **2-जम्मू कश्मीर** पुनर्गठन विधेयक से विधानसभा सीटों की कुल संख्या बढ़कर 83 से बढकर 90 हो जाएगी। इसमें अनुसूचित जाति के लिए 7 सीटें और अनुसूचित जनजाति के लिए 9 सीटें आरक्षित हैं। साथ ही उपराज्यपाल कश्मीरी प्रवासी समुदाय से एक महिला सहित दो सदस्यों को विधान सभा में नामांकित कर सकते हैं।

नेहरू के कार्यकाल में दो बड़ी गलतियां हुईं

शाह ने जम्मू-कश्मीर के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा, दो बड़ी गलतियां नेहरू के कार्यकाल में हुईं। पहली और सबसे बड़ी गलती वह थी जब जब हमारी सेना जीत रही थी, पंजाब का क्षेत्र आते ही संघर्ष विराम कर दिया गया और पीओके का जन्म हुआ। अगर संघर्ष विराम तीन दिन बाद होता तो आज पीओके भारत का हिस्सा होता। दूसरा 'ब्लंडर' संयुक्त राष्ट्र में भारत के आंतरिक मसले को ले जाने का था।

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

पूर्वोत्तर उग्रवाद प्रभावित सरकार को समायोजन की छूट दी जानी चाहिए

एजेंसी | नई दिल्ली

पूर्वोत्तर के कई राज्यों के उग्रवाद और हिंसा प्रभावित होने के मद्देनजर उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि देश को बचाने के लिए आवश्यक समायोजन करने के लिए सरकार को कुछ स्वतंत्रता और छूट दी जानी चाहिए। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने विशेष रूप से असम पर लागू नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकारों को राष्ट्र की समग्र भलाई के लिए समायोजन करना होगा। पीठ असम में अवैध प्रवासियों से संबंधित नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता की जांच करने से जुड़ी 17 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। मामले में सुनवाई गुरुवार को भी जारी रहेगी।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, हमें सरकार को भी स्वतंत्रता देनी होगी। आज भी पूर्वोत्तर के कुछ हिस्से हैं, भले ही हम उनका नाम न लें, लेकिन वे राज्य उग्रवाद और हिंसा से प्रभावित हैं। उन्होंने यह टिप्पणी तब की जब याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील श्याम दीवान ने कहा कि धारा 6ए स्पष्ट तरीके से संचालित होती है और नागरिकता कानून का उल्लंघन करके असम में रहने वाले अवैध प्रवासियों को उपकृत करती है। दीवान ने कहा,असम और अन्य निकटवर्ती सीमावर्ती राज्य एक सजातीय एकल वर्ग बनाते हैं।

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह

सचिन और अंबानी समेत सात हजार लोगों को किया आमंत्रित

एजेंसी | अयोध्या

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, फिल्म स्टार अमिताभ बच्चन और उद्योगपति मुकेश अंबानी सहित करीब सात हजार लोगों को राम मंदिर में रामलाल के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए आमंत्रित किया है। ट्रस्ट के सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। दूरदर्शन पर प्रसारित धारावाहिक 'रामायण' में भगवान राम का किरदार निभाने वाले अरुण

गोविल और देवी सीता की भूमिका निभाने वाली दीपिका चिखलिया को भी इस आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रण भेजा गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 22 जनवरी, 2024 को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए पहले ही आमंत्रित किया जा चुका है। ट्रस्ट ने 3000 वीवीआईपी सहित 7,000 लोगों को आमंत्रण भेजा है। 1992 में मारे गए कारसेवकों के परिवारों को भी आमंत्रित किया जाएगा। आमंत्रित वीवीआईपी लोगों में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत, योग गुरु राम देव, उद्योगपति रतन टाटा, उद्योगपति गौतम अडाणी भी शामिल हैं। ट्रस्ट ने देशभर से 4000 संतों को भी आमंत्रित किया है।

डॉ. अंबेडकर को नमन

नई दिल्ली। *राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी , राज्यसभा में कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खरगे व सोनिया गांधी समेत अन्य नेताओं ने बुधवार को संसद परिसर में संविधान निर्माता डॉ.बीआर अंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।*

अवैध निवेश व अंशकालिक नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी

केंद्र सरकार ने 100 से अधिक वेबसाइट को किया बंद

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र ने संगठित अवैध निवेश और अंशकालिक नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली 100 से अधिक वेबसाइट को बंद कर दिया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इन वेबसाइट का संचालन विदेश में बैठे लोग कर रहे थे और इसमें ज्यादातर सेवानिवृत्त कर्मचारियों, महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को अंशकालिक नौकरी देने की आड़ में निशाना बनाया गया।

केंद्रीय गृह मंत्रालय की एक इकाई भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (14सी) ने अपनी राष्ट्रीय साइबर अपराध जोखिम

विश्लेषण इकाई के जरिए पिछले साल संगठित निवेश और कार्य आधारित अंशकालिक नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली वेबसाइट्स की पहचान की थी और उन्हें बंद किए जाने की सिफारिश की थी। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी कानून, 2000 के तहत अपने अधिकार का इस्तेमाल कर इन वेबसाइट्स को बंद कर दिया है।

क्या है 14सी

14सी देश में साइबर अपराध से समन्वित और व्यापक तरीके से निपटने के लिए गृह मंत्रालय की एक पहल है।

कैसे करते हैं धोखाधड़ी

इन धोखाधड़ी में गूगल और मेटा जैसे मंचों पर विदेशी विज्ञापनदाताओं द्वारा कई भाषाओं में लक्षित डिजिटल विज्ञापन दिए जाते हैं जिसमें 'घर बैठे जॉब', 'घर बैठे कमाई कैसे करें' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है। इन विज्ञापन पर क्लिक करने पर व्हाट्सएप या टेलीग्राम के जरिए एक एजेंट पीड़ित के साथ बातचीत शुरू करता है जो उसे वीडियो लाइक और सबस्क्राइब करने, मैप रैटिंग जैसे कुछ काम करने को कहता है। काम पूरा करने के बाद पीड़ित को शुरुआत में कुछ कमीशन दिया जाता है तथा और कमाई के लिए पैसे को निवेश करने के लिए कहा जाता है। विश्वास हासिल करने के बाद जब पीड़ित बड़ी रकम निवेश करता है तो रकम को जब्त कर लिया जाता है और पीड़ित से ठगी की जाती है।

सलाह: इंटरनेट पर प्रायोजित किसी भी योजना में निवेश से पहले बरतें सावधानी

बयान में कहा गया है कि ऐहतियातन उपाय के तौर पर यह सलाह दी जाती है कि इंटरनेट पर प्रायोजित बहुत ज्यादा कमीशन देने वाली ऐसी किसी भी योजना में निवेश करने से पहले सावधानी बरतें। अगर कोई अनजान व्यक्ति किसी से व्हाट्सएप या टेलीग्राम के जरिए संपर्क करता है तो बिना जांच-पड़ताल के वित्तीय लेनदेन करने से बचें।

प्राप्तकर्ता के नाम का करें सत्यापन

यूपीआई ऐप पर प्राप्तकर्ता के नाम का सत्यापन करें। अगर प्राप्तकर्ता कोई अनजान व्यक्ति है तो यह फर्जी खाता हो सकता है और योजना फर्जी हो सकती है। इसी तरह, उस स्रोत की पहचान करें जहां से शुरुआती कमीशन प्राप्त होता है। बयान के अनुसार, नागरिकों को अनजान खातों से लेनदेन करने से बचना चाहिए क्योंकि ये न केवल धनशोधन बल्कि आतंकवाद के लिए वित्त पोषण में भी संलिप्त हो सकते हैं।

58,378 करोड़ के अतिरिक्त व्यय को मंजूरी

नई दिल्ली। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 58,378 करोड़ रुपये के कुल अतिरिक्त व्यय के लिए बुधवार को संसद की मंजूरी मांगी। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने वर्ष 2023-24 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों के पहले बैच को लोकसभा में प्रस्तुत किया। चौधरी ने भोजनावकाश के बाद दोपहर बारह बजे राज्यसभा की बैठक फिर शुरू होने पर इन अनुपूरक मांगों को सदन के पटल पर रखा। अनुदान की अनुपूरक मांगों में 1.29 लाख करोड़ रुपए से अधिक का सकल अतिरिक्त व्यय भी शामिल है जिसे 70,968 करोड़ रुपए की बचत से समायोजित किया जाएगा। प्रस्ताव में 58,378.21 करोड़ रुपए का कुल नकदी व्यय शामिल है।

टाइगर 3 को अच्छा रिस्पांस नहीं मिलने से YRF ने बदली कैमियो स्ट्रेटजी

शाहरुख और सलमान के बगैर... ऋतिक अकेले लड़ेंगे WAR2

शिवराज गुर्जर | बेधड़क

जयपुर। मार्वल्स की तर्ज पर यशराज फिल्म्स ने अपना स्पाई यूनिवर्स रचा और शुरुआत की सलमान खान और केटरीना कैफ स्टारर फिल्म टाइगर से। लोगों का अच्छा रुझान मिला तो एवेंजर्स की तर्ज पर एक मूवी के किरदार को दूसरी फिल्म में घुसाने का प्लान बनाया। जिस तरह एवेंजर्स एंडगेम में सारे सुपर हीरो मिलकर अकेले विलन का मुकाबला करते हैं, उसी तरह का प्रयोग पठान में किया। पठान शाहरुख खान की मूवी थी, लेकिन उसमें सलमान खान की टाइगर के रूप में जोरदार एंट्री दी गई। मुश्किल में फंसे पठान को बचाने जब जब टाइगर उतरा और दोनों ने मिलकर जो धमाल मचाया, दर्शक झूम उठे। सलमान का कैमियो लोगों को खासा पसंद आया। इसका असर बॉक्स ऑफिस पर भी देखने को मिला। यह प्रयोग सफल हुआ तो टाइगर सीरीज के तीसरे पार्ट में फिर से इस फॉर्मूले को वाईआरएफ ने एप्लाई किया। मगर इस बार दांव उलटा पड़ गया। लोगों ने ना तो टाइगर को बचाने आए शाहरुख को ज्यादा पसंद किया और ना ही मूवी को। ऐसे में मूवी बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा सकी। इस तरह एक सुपरहिट सीरीज को नुकसान हुआ तो वाईआरएफ चेता और स्पाई यूनिवर्स की अगली मूवी वॉर में किए जाने वाले इस एक्सपेरिमेंट को यहीं ड्रॉप कर दिया।

ऋतिक की सुपरहिट मूवी है वॉर

वॉर वाईआरएफ स्पाई यूनिर्स सीरीज की सुपरहिट मूवी है। इसमें ऋतिक रोशन को लोगों ने बहुत पसंद किया। कबीर के रोल में वे पूरी मूवी में छा गए। इस मूवी में उनका साथ देने के लिए टागर श्राफ थे। दानों की जोड़ी इसमें खासी कमाल की लगी थी, लेकिन इसमें टाइगर श्राफ का किरदार खत्म हो गया था। ऐसे में शाहरुख और सलमान को एंट्री देकर टाइगर और पठान की पॉपुलेरिटी का फायदा उठाने का सोचा था, लेकिन मामला गड़बड़ा गया।

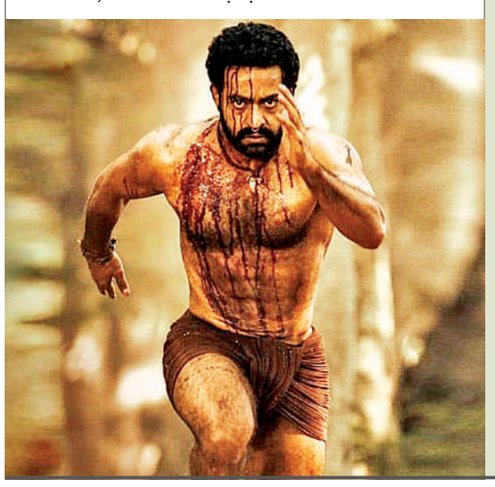

नहीं होगी शाहरुख सलमान की एंट्री

टाइगर थ्री में यशराज फिल्म्स की ओर से संकेत दिया गया कि वॉर टू में विलन जूनियर एनटीआर से मुकाबले के लिए ऋतिक रोशन का साथ देने के लिए पठान के रूप में शाहरुख और टाइगर के रूप में सलमान खानल एंट्री मारेंगे। सोच यही थी कि जब तीन सुपरस्टार हीरो एक साथ चौथे सुपर स्टार विलन से भिड़ेंगे तो पर्दे पर आग लग जाएगी। इसकी पूरी तैयारी कर ली गई थी। सूत्रों की मानें तो यहां तक प्लान बन चुका था कि वॉर टू में सलमान और शाहरुख खान के कैमियो के बजाय उनका फुल लेंथ रोल होगा। लेकिन, टाइगर थ्री को मिले ठंडे रिस्पांस ने इस प्लान की वाट लगा दी। अब खबर आ रही है कि यशराज फिल्म्स के आदित्य चौपड़ा ने वॉर 2 में अकेले ऋतिक रोशन यानी कि कबीर को ही अकेला फाइटर रखने का फैसला किया है। जूनियर एनटीआर से भिड़ने के लिए टाइगर और पठान को लाना कैंसिल कर दिया। ऐसे में अब ऋतिक रोशन बगैर सलमान-शाहरुख के सहयोग के वॉर 2 लडेंगे।

स्त्री 2 में ITEM डांस करेंगी तमन्ना

बेधड़क. जयपुर। राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर स्टारर अपकमिंग मूवी स्त्री 2 में साउथ की सुपरस्टार एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया भी नजर आएंगी। तमन्ना इस मूवी में फुल फ्लैश रोल में नहीं, बल्कि एक आइटम सांग में डांस करती हुई नजर आएंगी। बता दें कि स्त्री 2 मूवी 2018 में आई स्त्री का सीक्वल है जो सुपरहिट रही थी। ऐसे में इस मूवी को लेकर दर्शकों में उत्सुकता तो बनी हुई थी, लेकिन तमन्ना की एंट्री ने इसे और बढ़ा दिया है। आइटम सांग में होने से दर्शकों को एक्ट्रेस और भी आकर्षित करेंगी। तमन्ना ने पिछले दिनों सुपरस्टार रजनीकांत की मूवी जेलर में एक आइटम सांग किया था। इस दौरान डांस में तमन्ना ने वो जलवे दिखाए कि दर्शक झूम उठे। ऐसे में अब स्त्री में उनकी उपस्थिति ने मूवी के प्रति लोगों में बज और बढ़ा दिया है। गाने की शूटिंग पूरी हो चुकी है। मूवी के हीरो राजकुमार राव भी गाने में थिरकते हुए नजर आएंगे। यह पहली बार होगा जब राजकुमार राव और तमन्ना भाटिया दोनों स्क्रीन शेयर करेंगे। हालांकि भाटिया की टीम ने आधिकारिक तौर पर इस खबर की पुष्टि नहीं की है, लेकिन अभिनेत्री को फिल्म में अपने डांस मूव्स दिखाते हुए देखना निस्संदेह एक सुखद अनुभव होगा। साथ ही स्त्री के प्रशंसकों को 2018 स्टारर श्रद्धा कपूर के पेपी ट्रैक मिलेगी मिलेगी की पुरानी यादें ताजा हो जाएंगी।

फिर साथ आएंगे तब्बू-अजय

बेधड़क. जयपुर। अजय देवगन और तब्बू एक बार फिर साथ काम करने वाले हैं। ये दोनों अपकमिंग फिल्म 'औरों में कहां दम था' में संग नजर आएंगे। यह फिल्म अगले साल 26 अप्रैल को रिलीज होगी। अजय देवगन और तब्बू ने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस करते हुए पोस्ट शेयर की है। अजय देवगन ने लिखा-नीरज पांडे के साथ मेरा कोलेबरेशन। 'औरों में कहां दम था' की कहानी 2002 से 2023 के बीच की होगी। इन बीस सालों की म्यूजिकल लव स्टोरी पर्दे पर दिखाई जाएगी। इस फिल्म में जिमी शेरगिल, साई मांजरेकर और शांतनु माहेश्वरी भी नजर आएंगे। इससे पहले 'दृश्यम 2' में अजय देवगन, तब्बू एक साथ आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट साबित हुई थी। दोनों को आखिरी बार 'भोला' में देखा गया था। अजय ने इसका डायरेक्शन भी किया था और साथ ही इसे प्रोड्यूस भी किया था।

City इवेंट्स

श्रद्धांजलि सभा के बाद रक्तदान

बेधड़क. जयपुर। महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी के तत्वावधान में श्रद्धांजलि सभा एवं रक्तदान शिविर लगाया गया। रक्तदाताओं को सोसायटी अध्यक्ष डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा, आईपीएस, विधायक रामसहाय वर्मा, जीएल वर्मा महासचिव, डॉ. शशि इन्दुलिया, उर्मिला वर्मा, सीएल कायल, आईएएस सेनि, सतीश देपाल, उपमहानिदेशक दूरदर्शन, रामावतार गोठवाल, आरएएस से.नि., हरिवल्लभ मेघवाल, अध्यक्ष जार, करण सिंह गोठवाल, आरएएस से.नि., राजीव राही, निदेशक जीएसआई ने सम्मानित किया। इस दौरान सोसायटी के बनवारी लाल बैरवा, दयानन्द सक्करवाल, नरेंद्र अवस्थी, महेश धावनिया, गुरुप्रसाद लेखरा, डॉ. किशन लाल इणखिया, भागचंद मीना, शिवशंकर छत्रपति, रामनिवास दहिया, रामकिशन मेहरा, लक्ष्मीनारायण वर्मा, पूरणमल मेहरड़ा, रामप्रसाद बैरवा, नन्द किशोर पालीवाल आदि मौजूद रहे।

वैक्स म्यूजियम में अब बाबा साहेब भी

बेधड़क. जयपुर। महापरिनिर्वाण दिवस पर संविधान शिल्पी 'भारत रत्न' बाबा साहब आंबेडकर का वैक्स का पुतला जयपुर वैक्स म्यूजियम, नाहरगढ़ फोर्ट में स्थापित किया गया। म्यूजियम के फाउंडर डायरेक्टर अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि सैलानी लंबे समय से मांग करते रहे हैं कि यहां भारतीय संविधान के जनक बाबा साहेब का वैक्स का पुतला भी स्थापित होना चाहिए। इसे देखते हुए बुधवार को उनके महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर वैक्स के पुतले का अनावरण किया गया। उन्होंने बताया कि 'जीवन लंबा होने की बजाय महान होना चाहिए' जैसे महान विचारों वाले बाबा साहब का संपूर्ण जीवन प्रेरणादायक रहा है।

तप कल्याणक दिवस आज

बेधड़क. जयपुर। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का तप कल्याणक महोत्सव 7 दिसंबर को भक्ति भाव से मनाया जाएगा। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होंगे। अभादिजैन परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि प्रातः भगवान महावीर स्वामी के अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा अर्चना की जाएगी। सांगानेर के मंदिर संघीजी में आचार्य सौरभ सागर महाराज, बगरू के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका भरतेश्वरमति माताजी ससंघ के सानिध्य में तप कल्याणक दिवस मनाया जाएगा। चित्रकूट कॉलोनी सांगानेर के श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर, गोपाल जी का रास्ता स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर महावीर स्वामी (कालाडेरा), आगरा रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी मंदिरों में विशेष आयोजन होंगे।

रिलीज से पहले ही रिकॉर्ड बनाया हिरानी की फिल्म ने

24 घंटे के भीतर ही 103 मिलियन बार देखा गया डंकी मूवी का ट्रेलर

बेधड़क | जयपुर

किंग खान शाहरुख और सुपरहिट डायरेक्टर राजकुमार हिरानी की मोस्ट अवेटेड मूवी डंकी रिलीज से पहले ही रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बनाती जा रही है।

डंकी के ट्रेलर ने रिलीज होते ही एक रिकॉर्ड बना दिया है। ट्रेलर को केवल 24 घंटों के भीतर ही सभी प्लेटफार्मों पर 103 मिलियन बार देखा जा चुका है। यह किसी भी एक भाषा की फिल्म के लिए अब तक का सबसे बड़ा आंकडा है। शाहरुख खान जो अपने ही रिकॉर्ड तोड़ने के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने हालिया उनकी मेगा हिट जवान के समय भी ऐसा ही किया था। यह रिकॉर्ड पहले जवान के नाम ही था। अब इसे तोड़ा तो उनकी ही मूवी ने। रिलीज होने के बाद से ही डंकी ड्रॉप 4 (ट्रेलर) सुर्खियों में है। इसके प्रति दर्शकों का प्यार साफ दिखाई दे रहा है। फिल्म के ट्रेलर से पता चल रहा है कि राजकुमार हिरानी ने चार दोस्तों के विदेश पहुंचने की उनकी यात्रा की दिल छू लेने वाली कहानी पेश की है। वास्तविक जीवन के अनुभवों से प्रेरित शाहरुख खान स्टारर डंकी प्यार और दोस्ती की एक गाथा है, जो बेतहाशा असमान कहानियों को एक साथ जोड़ती है। इसके साथ ही यह इमोशंस के असीमित महासागर में गोते लगवाते हुए दिलों के भीतर तक के तारों को झंकृत कर देगी।

पांच दिन में किया 284 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन

सबसे तेज ढ़ाई सौ करोड़ कमाने वाली दूसरी फिल्म बनी एनिमल

बेधड़क | जयपुर

रणबीर कपूर की एनिमल बॉक्स ऑफिस पर मोनेस्टर बनकर उभरी है। ओपनिंग डे से ही जबरदस्त कलेक्शन करते हुए पांच दिन में भारत में 284 करोड़ पांच लाख रुपए की कमाई कर ली है। इसमें से 250 करोड़ 66 लाख रुपए का कलेक्शन हंदी वर्जन का है। इसके साथ ही एनिमल सबसे तेज 250 करोड़ के क्लब में एंट्री मारने वाली दूसरी फिल्म बन गई है। टॉप नाइन 250 करोड़ क्लब की मूवीज की बात करें तो नंबर वन पर शाहरुख खान की फिल्म जवान है। इसने यह आंकड़ा चार दिन में कंप्लीट कर लिया था। रणबीर कपूर रश्मिका मंदाना स्टारर एनिमल इस क्लब में एंट्री मारने वाली दूसरी फिल्म है। इसके साथ दूसरे नंबर पर एक और मूवी है और वह भी शाहरुख खान की ही है। नाम है पठान। इस सूची में तीसरा नाम सनी देओल और अमीषा पटेल की मूवी गदर 2 का है। गदर 2 ने छठे दिन इस क्लब में एंट्री मारी थी। यश की केजीएफ 2 के हिंदी वर्जन ने सातवें दिन 250 करोड़ का आंकड़ा क्रॉस किया था। प्रभास की सुपहिट मूवी इस क्लब में आठवें दिन के साथ पांचवें पाएदान पर है। छठे नंबर पर आमिर खान की दंगल, रणबीर कपूर की ही संजू और सलमान खान की टाइगर जिंदा है संयुक्त रूप से शामिल हैं।

प्रदर्शनी सजने लगीं 60 कलाकारों की 400 कलाकृतियां, 8 दिसंबर को होगी शुरुआत

कलाकार जयपुराइट्स को सुनाएंगे अपने चित्रों की कहानी

बेधड़क | जयपुर

जवाहर कला केन्द्र की सबसे बड़ी कला दीर्घा चतुर्दिक आगामी दिनों में देश भर के 60 चित्रकारों की साढ़े चार सौ पेंटिंग्स के रंगों से आबाद रहेगी। कलाकारों नें प्रदर्शनी के लिए कलाकृतियों को दीवारों पर सजाना शुरु कर दिया है।

मुंबई के आर्ट प्रमोटर मितुल अग्रवाल ने बताया कि इस आयोजन को 'स्प्लेश-2023' नाम दिया गया है, जिसका हिन्दी अर्थ होता है छिड़काव। इसी मनोभाव के अनुरूप इस एग्जीबिशन में कला प्रेमी तरह तरह के रंगों की बौछार का अनुभव करेंगे। 8 से 10 दिसंबर तक होने वाली इस एग्जीबिशन में और भी कई कलात्मक आयोजन होंगे। इनमें आर्ट टाक, देश के विभिन्न शहरों से आए कलाकारों का लाइव डेमोस्ट्रेशन और आर्ट स्टोरी टेलिंग सहित ऐसे कई कार्यक्रम होंगे जो शहर के कला प्रेमियों को जवाहर कला केन्द्र में पूरा दिन बिताने के लिए प्रेरित करेंगे। प्रदर्शनी का उद्घाटन 8 दिसंबर को दोपहर 3.00 बजे देश के जाने माने चित्रकार डॉ. विद्यासागर उपाध्याय करेंगे। इसी दिन 4 से 5 बजे तक 'आर्ट टॉक विद चीफ गेस्ट' और शाम 5:00 बजे से एग्जिबिशन का 'वीआईपी रिव्यु' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

पुरस्कृत किए जाएंगे कलाकार

10 दिसंबर को सुबह 10 से दोपहर 1 बजे के 'स्केच मीट बाय अर्बन स्केचर्स' दोपहर 2 से शाम 4 बजे 'वोकल्स टू विजुअल्स विद अमृता चौहान' और शाम 4 बजे से पुरस्कार वितरण के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। एग्जीबिशन में जयपुर, उदयपुर, दिल्ली, मुंबई, सूरत, पुणे, भरूच और चेन्नई, सहित विभिन्न शहरों के 50 से भी अधिक कलाकार अपनी कलाकृतियों का प्रदर्शन करेंगे।

आर्ट एंड स्टोरी टेलिंग का होगा जीवंत प्रदर्शन

कलाकृतियों की प्रदर्शनी के अलावा 9 दिसंबर को कलाकार 'आर्ट एंड स्टोरी टेलिंग' कला का जीवंत प्रदर्शन करेंगे। साथ ही कैनवास पर बनी कलाकृतियों से संबंधित स्टोरी टैलिंग की कला से भी कला प्रेमियों को रूबरू करवाएंगे। ये आयोजन इस दिन सुबह 11 बजे से दोपहर 1:00 बजे के बीच होगा। इसी दिन दोपहर 2 से शाम 4 बजे तक 'पेंट एन ऑब्जेक्ट', शाम 5 से 6 बजे 'पेनल डिस्कशन' और 6 से 8 बजे तक 'ट्रेजर हंट' के कार्यक्रम होंगे।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क

जयपुर, गुरुवार, 07 दिसंबर, 2023

यदि भविष्य को सुनहरा बनाना है तो वर्तमान में त्याग के लिए भी तैयार होना पड़ेगा।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

गाजा में युद्ध के कारण सहायता आपूर्ति प्रभावित, अल-अक्सा अस्पताल में न्यूनतम स्तर पर पहुंची ईंधन और चिकित्सा आपूर्ति

गाजा में खाने-पीने के सामान को तरसे लोग

एजेंसी | दीर अल बलाह (गाजा पट्टी)

इजराइली सैनिकों के गाजा के दूसरे सबसे बड़े शहर में जमीनी हमले तेज करने के बाद बुधवार को इजराइली बलों और हमास उग्रवादियों के बीच गाजा में तीखी झड़प हुई। ताजा संघर्ष के चलते अधिकतर स्थानों पर सहायता आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है।

इजराइली हमलों के कारण फिलिस्तीनी लोगों के लिए शरण लेने के स्थान भी कम होते जा रहे हैं। दक्षिण पर हमले से घिरे तटीय क्षेत्र में बड़े पैमाने पर लोगों के विस्थापित होने का खतरा है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि इस क्षेत्र के लगभग 18 लाख से अधिक लोग (80 प्रतिशत से अधिक आबादी) पहले ही अपने घरों को छोड़ चुके हैं। गाजा शहर के बड़े हिस्से सहित उत्तर का अधिकांश हिस्सा पूरी तरह से नष्ट हो गया है।

इजराइली सेना ने सड़कों को किया बंद

संयुक्त राष्ट्र मानवीय सहायता कार्यालय ने कहा कि पिछले तीन दिनों में मिस्र की दक्षिणी सीमा पर स्थित रफाह के नजदीकी क्षेत्रों में ही आटे और पेयजल की सहायता पहुंचाई जा सकी है क्योंकि इजराइली बलों ने सड़कों को बंद किया हुआ है। सहायता समूह 'डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' ने कहा कि दीर अल-बलाह में अल-अक्सा अस्पताल में ईंधन और चिकित्सा आपूर्ति गंभीर रूप से न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है। अस्पताल में रोजाना लगभग 200 घायलों को लाया जा रहा है।

हमास के आतंकियों ने दरिंदगी की: बाइडेन

बोस्टन (अमेरिका)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हमास आतंकवादियों द्वारा इजराइली लड़कियों और महिलाओं से दुष्कर्म और यौन हिंसा किए जाने की कड़े शब्दों में निंदा की और अन्य देशों से बिना किसी लाग-लपेट और बिना किसी अपवाद के ऐसे आचरण की निंदा करने का आह्वान किया। बोस्टन में आयोजित एक कार्यक्रम में बाइडेन ने कहा कि हाल के सप्ताहों में हमास के हमले में जीवित बची महिलाओं और प्रत्यक्षदर्शियों ने अकल्पनीय क्रूरता की भयानक दास्तां बयान की है। बाइडेन ने कहा कि महिलाओं से दुष्कर्म, शारीरिक यातना, महिलाओं के शवों को अपवित्र करने की खबरें, हमास के आतंकवादियों ने जितना हो सकता था महिलाओं और लड़कियों को उतनी पीड़ा और दर्द दिया और फिर उनकी हत्या कर दी। बाइडेन ने कहा कि जो कुछ हो रहा है, दुनिया उससे मुंह नहीं फेर सकती। उधर, हमास ने यौन हिंसा के आरोपों से इनकार किया है।

ICC के वारंट के बाद भी यात्रा पर गए रूसी राष्ट्रपति

पुतिन ने सऊदी अरब व यूएई की यात्रा शुरू की

एजेंसी | दुबई

यूक्रेन से युद्ध के करीब 22 महीने बीत जाने के बाद पहली बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन दो बड़े मुस्लिम देशों की यात्रा पर हैं। उनकी यह यात्रा नाटो चीफ जेंस स्टोल्टेनबर्ग के उस दावे के ठीक बाद होने जा रही है, जब उन्होंने नाटो देशों को यूक्रेन से बुरी खबर आने के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी है। दूसरी ओर यूक्रेन ने पुतिन की यात्रा को लेकर आक्रोश जाहिर किया है और पुतिन को उनके देश में पर्यावरणीय अपराध के लिए जिम्मेदार ठहराया है। गौरतलब है कि दुबई संयुक्त राष्ट्र की सीओपी-28 जलवायु वार्ता की मेजबानी कर रहा है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब की यात्रा पर हैं। वहां पर वे वैश्विक मसलों पर एकजुट होकर काम करने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। साल 2019 के बाद पहली बार राष्ट्रपति पुतिन सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मिलेंगे।

अबू धाबी में रूसी राष्ट्रपति राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ बातचीत करेंगे। आबू धाबी एयरपोर्ट पर पुतिन का विमान उतरते ही शाही स्वागत किया गया। इस दौरान पूरे रास्ते की सड़कें संयुक्त अरब अमीरात और रूसी झंडों से सजी हुई थीं। उनके आगमन मार्ग पर घोड़ों और ऊंटों पर सवार सैनिक कतार में खड़े थे। रूसी और अमीरात के झंडे भी बिजली के खंभों पर लटक रहे थे। जैसे ही अबू धाबी के क्राउन प्रिंस और सशस्त्र बलों के उप सर्वोच्च कमांडर शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान और पुतिन महल के ग्रेट हॉल से गुजरे, उन दोनों को 21 तोपों की सलामी दी गई। कोरोना महामारी शुरू होने के बाद वे पहली बार खाड़ी देशों की यात्रा पर पहुंचे हैं।

युद्ध अपराधी ठहराने के बाद गिने चुने देशों की यात्रा पर ही गए हैं व्लादिमीर

इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट की ओर से उन्हें युद्ध अपराधी ठहराने के बाद पुतिन अब तक दुनिया के गिने चुने देशों की यात्रा पर ही गए हैं। दक्षिण अफ्रीका में हुई ब्रिक्स समिट में उन्होंने भाग लेना इसलिए टाल दिया था क्योंकि साउथ अफ्रीका ने आईसीसी चार्टर पर हस्ताक्षर कर रखे हैं। इस चार्टर के मुताबिक, आईसीसी की ओर से कोई आदेश जारी किए जाने के बाद संबंधित देशों के लिए उसका पालन करना अनिवार्य होता है।

आईसीसी की संधि पर नहीं है दोनों देशों के हस्ताक्षर

सऊदी अरब और यूएई दोनों ने ही आईसीसी की संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। इसका अर्थ यह है कि युद्ध के दौरान यूक्रेन से बच्चों के अपहरण के लिए पुतिन को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराने संबंधी वारंट पर पुतिन को हिरासत में लेने का उन पर कोई दायित्व नहीं होगा। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब सशस्त्र संयुक्त राष्ट्र पुलिस दुबई के एक्सपो सिटी के एक हिस्से में गश्त कर रही है, जिसे अब वार्ता के लिए अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र माना जाता है। यह यात्रा एक बार फिर रूस के साथ अमीरात के व्यापक व्यापारिक संबंधों को उजागर करती है।

ब्रिटेन में कोविड महामारी से हुई थी 2 लाख से ज्यादा लोगों की मौत

पूर्व पीएम जॉनसन ने स्वीकार की गलतियां

एजेंसी | लंदन

कोविड महामारी के दौरान ब्रिटेन की अगुवाई करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने अपनी गलतियां स्वीकार कीं। कोविड से निपटने के प्रयासों के संबंध में की जा रही जांच के मामले में बुधवार को अपना पक्ष रखते हुए उन्होंने कहा कि सरकार से कुछ

गलतियां हुईं, लेकिन उसने अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास किया था। जॉनसन ने अपना पक्ष रखते हुए सबसे पहले कोविड पीड़ितों के दर्द पर खेद जताया। इसी दौरान अदालत में चार लोग खड़े हुए और तख्तियां दिखाईं, जिन पर लिखा था कि 'मृत लोग आपकी माफी नहीं सुन सकते।' जॉनसन ने कहा कि अनिवार्य रूप से, एक भयानक महामारी से निपटने की कोशिश के दौरान हमने गलतियां की होंगी।

समय से पहले पहुंचे

जॉनसन तय समय से पहले ही पूछताछ स्थल पर पहुंच गए। क्योंकि उन्हें कोविड-19 में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों द्वारा विरोध-प्रदर्शन की आशंका थी। कोरोना वायरस संक्रमण के चलते ब्रिटेन में 2,30,000 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी का खुलासा

अब तक 2023 रहा सबसे गर्म साल

एजेंसी | दुबई

इस साल नवंबर में लगातार छठे महीने धरती पर गर्मी का नया रिकॉर्ड बना और गर्मी में रिकॉर्ड तोड़ सबसे गर्म शरद ऋतु भी शामिल रही। वर्ष 2023 में केवल एक महीना शेष है और यह साल सबसे गर्म वर्ष का रिकॉर्ड तोड़ने की ओर अग्रसर है।

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की कॉपरनिकस ने बुधवार तड़के घोषणा की कि नवंबर पिछले साल के सबसे गर्म नवंबर की तुलना में लगभग एक तिहाई डिग्री सेल्सियस (0.57 डिग्री फारेनहाइट) अधिक गर्म महीना था। वैज्ञानिकों ने कहा कि नवंबर पूर्व-औद्योगिक समय की तुलना में 1.75 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म था, जो अक्टूबर और सितंबर के बाद किसी भी महीने के लिए औसत से अधिक गर्म था। कॉपरनिकस की उपनिदेशक सामंथा बर्गेस ने कहा कि पिछला आधा साल वास्तव में चौंकाने वाला रहा है। वैज्ञानिक इसके कारण का वर्णन नहीं कर पा रहे हैं। नवंबर में औसत तापमान 14.22 डिग्री सेल्सियस था, जो पिछले 30 वर्षों के औसत से 0.85 डिग्री सेल्सियस से अधिक गर्म है।

शरद भी अब तक की सबसे गर्म ऋतु

महीने के दौरान दो दिन पूर्व-औद्योगिक समय की तुलना में दो डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म थे, जो पहले कभी नहीं हुआ था। कॉपरनिकस के वैज्ञानिकों ने गणना की है कि यह साल पूर्व-औद्योगिक समय की तुलना में अब तक 1.46 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म रहा है, जो कि 2016 के पिछले सबसे गर्म वर्ष की तुलना में करीब 7 डिग्री अधिक गर्म तापमान है। यह जलवायु परिवर्तन के लिए विश्व द्वारा निर्धारित सीमा के बहुत करीब है। कॉपरनिकस की गणना के अनुसार, इस साल की उत्तरी शरद ऋतु भी दुनिया की अब तक की सबसे गर्म शरद ऋतु है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl